सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

मौन से बड़ा कोई उत्तर नहीं
और क्षमा से बड़ा कोई दंड नहीं
अज्ञात

वर्ष–01 अंक–79 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 09 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

वैशाली नगर में ह्यजनता कमल सेतु पर घमासान, एआई प्लेटफॉर्म बना सियासी विवाद का केंद्र

राजस्व विभाग की सीमांकन रिपोर्ट और शिकायतकर्ता के दस्तावेजो को किया जा रहा है दरकिनार, बढ रही नाराजगी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधानसभा में शुरू किया गया ह्यजनता कमल सेतु एआईह्ल प्लेटफॉर्म अब राजनीतिक बहस और विवाद का बड़ा विषय बन गया है। विधायक रिकेश सेन की इस पहल को जहां एक ओर डिजिटल जनसेवा का मॉडल बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसके पीछे खर्च हुई कथित बड़ी राशि और इसकी उपयोगिता पर तीखे सवाल उठने लगे हैं।

दावा किया गया है कि इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिक व्हाट्सएप पर मात्र एक संदेश भेजकर अपनी शिकायत सीधे प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं और उसका त्वरित समाधान प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर इस व्यवस्था की व्यवहारिकता और पारदर्शिता को लेकर संदेह गहराता जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, इस एआई प्लेटफॉर्म के निर्माण में लगभग 57 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। अब सबसे बड़ा प्रश्न यह उठ रहा है कि इतनी बड़ी राशि का स्रोत क्या है और इसका लेखा-जोखा किस प्रक्रिया के तहत तैयार किया गया। यदि यह निजी व्यय है तो उसकी पारदर्शिता पर सवाल हैं, और यदि किसी अन्य माध्यम से राशि खर्च हुई है तो उसकी वैधता की जांच जरूरी मानी जा रही है।

मामले ने सियासी रंग भी ले लिया है। सत्ताधारी दल के भीतर ही इस पहल को लेकर असहमति की खबरें सामने

आ रही हैं। कुछ नेताओं का मानना है कि जब राज्य सरकार और प्रशासनिक तंत्र पहले से सक्रिय है, तो समानांतर व्यवस्था खड़ी करने का औचित्य क्या है। इसे प्रशासनिक ढांचे पर अविश्वास के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है।

प्रशासनिक स्तर पर भी इस प्लेटफॉर्म को लेकर असहजता बताई जा रही है। अधिकारियों के सामने अब हर शिकायत पर तत्काल प्रतिक्रिया और समाधान का दबाव बढ़ेगा। शिकायतों की निगरानी सीधे जनता द्वारा किए जाने की स्थिति में जवाबदेही कई गुना बढ़ने की आशंका है, जिससे कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है।

सबसे अहम सवाल यह है कि यदि शिकायतों का समयबद्ध निराकरण नहीं होता है, तो उसकी जिम्मेदारी किसकी तय होगी। क्या यह प्लेटफॉर्म केवल शिकायतों का संग्रहण केंद्र बनकर रह जाएगा या वास्तव में समाधान सुनिश्चित करेगा।

वैशाली नगर में तकनीक के नाम पर शुरू किया गया यह प्रयोग अब राजनीतिक मंशा, आर्थिक पारदर्शिता और प्रशासनिक प्रभावशीलता के कठघरे में खड़ा नजर आ रहा है।

आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि ह्यजनता कमल सेतुह्ल जनसुविधा का प्रभावी माध्यम बनता है या फिर एक और विवादित प्रयोग साबित होता है।

प्रदेश के कई जिलो में बनेगी फोरलेन सड़के, 708 करोड़ स्वीकृत

कुल 90 .5 किमी लंबाई के 15 फोरलेन सड़कों का होगा निर्माण

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

प्रदेशवासियों को यातायात के लिए मजबूत और चौड़ी सड़कें उपलब्ध कराने लोक निर्माण विभाग ने 15 फोरलेन सड़कों के निर्माण के लिए 708 करोड़ 21 लाख 35 हजार रुपए मंजूर किए हैं। हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2025–26 में स्वीकृत इस राशि से विभिन्न जिलों में कुल 90.5 किमी फोरलेन सड़कों का निर्माण किया जाएगा। इनके निर्माण से प्रमुख सड़कों पर सुगम यातायात और जॉम से मुक्ति के साथ ही यात्रा का समय घटेगा। फोरलेन सड़कों से सुरक्षित यातायात के साथ ही आर्थिक विकास को भी मजबूती मिलेगी। इससे कृषि, व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

लोक निर्माण विभाग ने दुर्ग जिले में दुर्ग–धमधा–बेमेतरा अंडर ब्रिज से अग्रसेन चौक तक 0.5 किमी फोरलेन मार्ग के लिए तीन करोड़ 41 लाख रुपए, स्मृति नगर पेट्रोल पंप से आई.आई.टी. जेवरा सिरसा तक 7 किमी फोरलेन सड़क के लिए 20 करोड़ 64 लाख रुपए, मिनी माता चौक से महाराजा चौक–टगड़ा बांध तक 4.70 किमी फोरलेन मार्ग के लिए 28 करोड़ 58 लाख रुपए तथा महाराजा चौक से बोरसी चौक तक 1.80 किमी फोरलेन सड़क के लिए 23 करोड़ 97 लाख रुपए मंजूर किए हैं।

विभाग ने रायगढ़ में डिमरापुर चौक से कोतरा थाना चौक तक 2.50 किमी के फोरलेन चौड़ीकरण के लिए 41 करोड़ 49 लाख रुपए, रायगढ़–कोतरा–नंदेली राज्य मार्ग के किमी 1 से किमी 5 तक के फोरलेन चौड़ीकरण के लिए 55 करोड़ 29 लाख रुपए, रायगढ़–लोईंग–महापल्ली मुख्य जिला मार्ग के किमी 1 से किमी 5 तक विद्युतीकरण सहित फोरलेन

चौड़ीकरण के लिए 81 करोड़ 48 लाख रुपए तथा 6 किमी तमनार फोरलेन बायपास के निर्माण के लिए 152 करोड़ 17 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं।

रायपुर जिले में अभनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग–30 में 2.8 किमी लंबाई के फोरलेन में उन्नयन के लिए 17 करोड़ 9 लाख रुपए, राजिम में नवीन मेला स्थल से लक्ष्मण झूला तक 3.50 किमी फोरलेन सड़क के निर्माण के लिए 34 करोड़ 20 लाख रुपए, अंबिकापुर में गांधी चौक से रेलवे स्टेशन तक 5 किमी लंबाई के फोरलेन चौड़ीकरण के लिए 61 करोड़ 34 लाख रुपए, बिलासपुर में 13.40 किमी कोनी–मोपका फोरलेन बायपास मार्ग के लिए 82 करोड़ 80 लाख 26 हजार रुपए एवं कोटा–लोरमी–पंडरिया मार्ग में 21 किमी सड़क के फोरलेन चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के लिए 14 करोड़ 71 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं।

लोक निर्माण विभाग ने जशपुर जिले में कुल 7.30 किमी लंबाई के तीन सड़कों के फोरलेन में उन्नयन एवं मजबूतीकरण के लिए 36 करोड़ 85 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। इनमें 2 किमी लंबा पत्थलगांव के इंदिरा चौक से जशपुर रोड, 1.50 किमी लंबा इंदिरा चौक से अंबिकापुर रोड तथा 3.80 किमी लंबा इंदिरा चौक से रायगढ़ रोड शामिल हैं। विभाग ने कबीरधाम जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग–30 के किमी 50 से किमी 57 तक फोरलेन में उन्नयन और डिवाइडर निर्माण के लिए भी 54 करोड़ 21 लाख रुपए मंजूर किए हैं।

सुरक्षित अवागमन सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता–साव

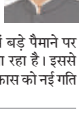

राज्य में बेहतर और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। फोरलेन सड़कों का विस्तार केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रदेश की आर्थिक प्रगति का मजबूत आधार भी तैयार करता है। लोक निर्माण विभाग द्वारा अधोसंरचना विकास में बड़े पैमाने पर निवेश कर कनेक्टिविटी को सुदृढ़ किया जा रहा है। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संतुलित विकास को नई गति मिलेगी।

मैत्री डेंटल कॉलेज अंजोरा दुर्ग के टेक्नीशियन रोम नाथ की मौत

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग,

मैत्री डेंटल कॉलेज अंजोरा दुर्ग के टेक्नीशियन रोम नाथ साहू की बुधवार 8 अप्रैल को दिल का दौरा पड़ने से कॉलेज परिसर में मौत हो गई साहू के गांव वाले मुआवजा की मांग को लेकर आज दोपहर 1:30 बजे मैत्री डेंटल कॉलेज के सामने दुर्ग राजनांदगांव मार्ग पर चक्का जाम कर दिए हैं पुलिस की टीम चक्का जाम स्थल पर पहुंच चुकी है और ग्राम वासियों को समझने का प्रयास किया जा रहा है फिलहाल पुलिस ने ट्रैफिक को डाइवर्ट कर दिया है तहसीलदार और एसडीएम भी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं।टेक्निनिशियन की मौत के बाद ग्रामीणों ने जमकर हंगामा खड़ा किया है समाचार लिखे जाने तक हंगामा जारी है सड़क पर जाम की स्थिति है, पुलिस सड़क पर उतरे ग्रामीणों को सम–ाने का प्रयास कर रही है।

नक्सल क्षेत्र में उम्मीद की नई किरण पक्का घर बना सम्मानजनक जीवन का आधार

नई दृष्टिबिंदु। रायपुर, / बीजापुर जिले के उसूर विकासखंड अंतर्गत धर्मावरम ग्राम से एक सकारात्मक बदलाव की कहानी सामने आई है, जो नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास की नई तस्वीर बयान करती है। कभी नक्सल प्रभावित यह इलाका अब शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से विकास की मुख्यधारा से जुड़ता दिखाई दे रहा है। इसी परिवर्तन की मिसाल हैं 60 वर्षीय श्रीमती गुण्डी बुचम्मा, जिन्होंने वर्षों तक कच्चे एवं खपरैल वाले मकान में कठिन परिस्थितियों के बीच जीवन व्यतीत किया। बारिश के मौसम में घर की छत से पानी टपकना, असुरक्षा और असुविधा उनके जीवन का हिस्सा था। किन्तु अब प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उन्हें पक्का मकान प्राप्त हुआ है, जिसने उनके जीवन में एक नया आत्मविश्वास और सुरक्षा प्रदान की है। यह पक्का मकान उनके लिए केवल एक आवास नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन और स्थायित्व का प्रतीक बन गया है। उनके पुत्र जगत बुचम्मा के अनुसार, अब परिवार सुरक्षित वातावरण में रह रहा है और दैनिक जीवन में काफी सुविधा महसूस कर रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में नक्सल प्रभाव के कारण विकास कार्य बाधित होते थे, लेकिन वर्तमान में प्रशासन की सक्रियता और सुरक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ होने से योजनाओं का क्रियान्वयन तेज हुआ है। शासन की योजनाएं अब दूरस्थ और अंदरूनी क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से पहुंच रही हैं, जिससे आमजन का विश्वास भी लगातार बढ़ रहा है।

धर्मावरम की यह कहानी केवल एक परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बदलते बीजापुर की तस्वीर है, जहां अब भय और असुरक्षा की जगह विकास, विश्वास और उम्मीद ने ले ली है। शासन की सतत पहल से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन की यह प्रक्रिया निरंतर आगे बढ़ रही है।

इस्पात नगरी में राष्ट्रीय स्तर के फौलादी दंगल का शुभारंभ आज से

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग

दुर्ग सांसद विजय बघेल के मार्गदर्शन पर होने जा रहा है 'इस आयोजन की भव्यता देश के लगभग सभी राज्यों से 1500 पहलवान प्रतियोगी इस प्रतियोगिता में भाग लेने इस्पात नगरी में पहुंच रहें है ' साथ ही देश के ओलम्पिक संघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रिज भूषण शरण सिंह एवं वर्तमान औलम्पिक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय सिंह,देवरिया उत्तर प्रदेश के पूर्व सांसद रमापति त्रिपाठी, कॉमन वेल्थ में गोल्ड मैडल विजेता नर्सिंग यादव एवं श्रीमती शिल्पी यादव सिल्वर मैडलिस्ट कॉमन वेल्थ गेम जैसे दिग्गज इस आयोजन की शोभा बढ़ाने एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने छत्तीसगढ़ के अथिति के रूप में इस्पात नगरी में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दे रहें है ' भिलाई के ख्याति प्राप्त पहलवान छत्तीसगढ़ कुश्ती संघ के अध्यक्ष जगन्नाथ सिंह यादव, उपाध्यक्ष भूपेंद्र यादव,वरिष्ठ राष्ट्रीय पहलवान वीरेंद्र यादव, महामंत्री प्रशांत राय, देवेंद्र यादव, भगवान पहलवान, बी पी सिंह,कोच अवधेश पहलवान, श्रवण यादव एवं अश्विनी कुमार पाण्डेय ,लीलेश देशमुख, प्रमोद सिंह, राघवेंद्र सिंह, के अथक प्रयास और दुर्ग सांसद विजय बघेल के खेल प्रेम के कारण इस भव्य आयोजन का स्वप्न साकार हो पाया' एयर कंडीशन अस्थाई निर्मित डोम शेड में आज प्रथम दिन प्रातः 8.30 को अंडर 20 प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जाएगा।

कौशल और नवाचार का अग्रणी केंद्र बनाना हमारा ध्येय है : साय

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

छत्तीसगढ़ में शिक्षा को भविष्य की तकनीकों से जोड़ते हुए, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नवाचारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गूगल फॉर एजुकेशन इंडिया के प्रमुख श्री संजय जैन एवं गूगल इंडिया के पब्लिक पॉलिसी प्रमुख श्री राकेश रंजन ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने अतिथियों का पारंपरिक सम्मान करते हुए उन्हें शॉल एवं बस्तर कला की प्रतिकृति भेंट की। ।

गूगल फॉर एजुकेशन इंडिया के प्रमुख संजय जैन ने रायपुर जिला प्रशासन और गूगल के मध्य हुए लेटर ऑफ इंटेंट (LOI) की जानकारी साझा करते हुए बताया कि रायपुर जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में अक सक्षम शिक्षा अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के माध्यम से स्कूल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नवाचारों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सक्षम शिक्षक अभियान के तहत राज्य में शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल टूल्स और अक आधारित शिक्षण पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पहल के प्रथम चरण की शुरुआत रायपुर से की जाएगी, जिसके बाद इसे राज्य के सभी जिलों में विस्तार दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत 2 लाख से अधिक शिक्षकों को अकप्रमाणन प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए गूगल फॉर एजुकेशन अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को निःशुल्क उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है, जिससे शिक्षकों को तकनीकी रूप से सशक्त किया जा सके। कार्यक्रम के तहत प्रारंभिक चरण में 200 शिक्षकों की सहभागिता से विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें गूगल फॉर एजुकेशन टूल्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही, कक्षा शिक्षण में अक के प्रभावी उपयोग और विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

रायपुर से शुरू होगा AI सक्षम शिक्षा अभियान, 2 लाख से अधिक शिक्षकों को मिलेगा AI प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीक–सक्षम और नवाचार आधारित बनाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों को शिक्षा से जोड़ना केवल एक पहल नहीं, बल्कि प्रदेश के विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इससे न केवल शिक्षण पद्धतियों में गुणवत्ता आएगी, बल्कि विद्यार्थियों के भीतर नए युग के कौशल विकसित होंगे, जो उन्हें आने वाले समय की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अकसक्षम शिक्षा अभियान जैसे कार्यक्रम शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए परिवर्तनकारी सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अक आधारित प्रशिक्षण और डिजिटल संसाधनों से सशक्त कर कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है – छत्तीसगढ़ को एक ऐसे ज्ञान–आधारित और तकनीकी रूप से सशक्त राज्य के रूप में स्थापित करना, जहाँ हर विद्यार्थी को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और अवसरों से भरपूर शिक्षा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर एक सशक्त, आधुनिक और तकनीक–सक्षम शिक्षा व्यवस्था का निर्माण करना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव मुकेश बंसल, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इंद्रजीत सिंह छोटू की पहल, खेल और अनुशासन के साथ नशामुक्ति का संदेश

बीरा जी के अंगनाह्व में निःशुल्क कराटे प्रशिक्षण से बच्चों में आत्मरक्षा का आत्मविश्वास , 450 से अधिक पंजीयन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कोहका स्थित ह्लबीरा जी के अंगनाह्ल एक बार फिर सामाजिक उपयोगिता का केंद्र बनकर उभर रहा है, जहां सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई द्वारा बच्चों के लिए निःशुल्क कराटे प्रशिक्षण शिविर संचालित किया जा रहा है। प्रतिदिन शाम 4:30 बजे से 6:30 बजे तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में 3 वर्ष से 25 वर्ष तक के बच्चे भाग ले रहे हैं।

प्रशिक्षण के दौरान आत्मरक्षा के गुरों के साथ–साथ बच्चों को गुड टच और बैड टच जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्रशिक्षक अंजना राजवीर सिंह द्वारा दिया जा रही हैं। शिविर में बच्चों के साथ उनके अभिभावकों की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। वर्तमान में लगभग 450 बच्चों का पंजीयन हो चुका है, जिनमें से एक समय में करीब 100 बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अवसर पर सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में स्वस्थ रहना सबसे जरूरी है, क्योंकि स्वस्थ शरीर और आत्मा में ही ईश्वर का वास होता है। उन्होंने बच्चों को नशे से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि ह्नशा अगर हो तो खेल का हो, चाहे वह कराटे हो या कोई अन्य खेल ह्ल उन्होंने जल्द ही बच्चों के लिए बॉक्सिंग के पंचिंग बैग लगाने और कराटे ड्रेस उपलब्ध कराने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम में समिति के कोषाध्यक्ष जोगा राव, राम हिंदरिया, शाहनवाज कुरैशी, श्रीमती चांदनी जगत, शिवबाती जांघेल, अंजलि साहू, मंजू वर्मा, रानी विश्वकर्मा, सरस्वती धुरंधर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे इसी क्रम में कोहका स्थित समिति कार्यालय में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, वरिष्ठजनों, माताओं–बहनों एवं युवाओं से आत्मीय संवाद भी किया गया। इस दौरान बच्चों में समर कैंप और कराटे क्लास को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।वहीं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के स्वर्गीय पिता सुरेंद्र कुमार छाबड़ा की शोकसभा में शामिल होकर इंद्रजीत सिंह छोटू ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।साथ ही सर्व समाज कल्याण समिति एवं यूथ सिख सेवा समिति द्वारा शिक्षा सहायता हेतु प्राप्त आवेदनों की सत्यापन प्रक्रिया भी लगातार जारी है।

समिति के सदस्य जरूरतमंदों तक पहुंचकर उनकी स्थिति का निरीक्षण कर रहे हैं और पात्र हितग्राहियों को सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

समाजसेवा, खेल और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय पहल से बीरा जी के अंगना भिलाई में नई पहचान बनाता जा रहा है।

स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए मिलकर करें काम, विश्व स्वास्थ्य दिवस पर पीएम मोदी का संदेश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पण की सराहना की और सभी नागरिकों को उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने लोगों से खुद को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास करने को कहा। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा, विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हम उन सभी लोगों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं, जो दूसरों की सेवा में अथक रूप से समर्पित हैं और एक स्वस्थ पृथ्वी के निर्माण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। हम एक स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। आइए, हम सभी मिलकर स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने और प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए निरंतर कार्य करते रहें। उन्होंने आगे कहा, विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मैं सभी देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। मेरा आग्रह है कि खुद को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास जरूर करें। लाघवं कर्मसामर्थ्यं दीप्तोऽग्निर्मेदसः क्षयः। विभक्तघनगात्रत्वं व्यायामादुपजायते॥

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा, अच्छा स्वास्थ्य एक ऐसा चुनाव है, जिसे हम उचित देखभाल से बनाए रख सकते हैं। इस अवसर पर, आइए हम सभी उचित देखभाल, स्वस्थ खान-पान की आदतों और नियमित व्यायाम के माध्यम से एक स्वस्थ और सुदृढ़ समाज के निर्माण के लिए स्वयं को समर्पित करें।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) ने विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा, यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम अपने स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रखें और एक संतुलित जीवनशैली अपनाएं। स्वास्थ्य सेवा के प्रति भारत का दृष्टिकोण प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का एक अनूठा संगम है, जो न केवल देश के भीतर, बल्कि पूरे विश्व में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में सहायक है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, आयुष्मान भारत और पीएम भारतीय जनऔषधि परियोजना जैसी परिवर्तनकारी पहलों ने हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ बनाया है, जिससे हर नागरिक के लिए गुणवत्तापूर्ण उपचार अधिक सुलभ, किफायती और समावेशी बन गया है।

उन्होंने आगे कहा, हम उन सभी डॉक्टरों, नर्सों और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिनके समर्पण से हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मजबूत बनी हुई है। आइए, हम सब मिलकर एक स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण की दिशा में काम करें।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से की सौजन्य भेंट, स्थापना दिवस की दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित के मूल्यों पर आधारित एक सशक्त विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टी है। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी की भावी रणनीतियों, संगठनात्मक विषयों तथा देश के समग्र और समावेशी विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन में भाजपा संगठन निरंतर सशक्त हो रहा है और देशभर में जनसेवा के कार्यों को नई गति एवं दिशा मिल रही है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नितिन नवीन के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी संगठनात्मक रूप से और अधिक सुदृढ़ होकर राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका का निर्वहन करती रहेगी तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगी।

पश्चिम बंगाल चुनाव : 2.4 लाख अर्धसैनिक जवानों की सबसे बड़ी तैनाती, सख्त निगरानी जारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं। राज्य में अब तक की सबसे बड़ी अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है, जिससे चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया जा सके। राज्य में करीब 2,400 अर्धसैनिक कंपनियों के जवान तैनात किए गए हैं। इनकी कुल संख्या लगभग 2,40,000 बताई जा रही है। खास बात यह है कि यह तैनाती पिछले चुनाव के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है, जो इस बार सुरक्षा को लेकर प्रशासन की गंभीरता को दर्शाती है। इतना ही नहीं, इस बार महिला सुरक्षा कर्मियों की भी रिकॉर्ड संख्या में तैनाती की गई है। जानकारी के मुताबिक, करीब 20,000 महिला अर्धसैनिक जवान, यानी लगभग 200 कंपनियां, चुनाव ड्यूटी में लगाई गई हैं।

सूत्रों का कहना है कि विभिन्न एजेंसियों, जिनमें चुनाव आयोग भी शामिल है, ने गृह मंत्रालय को महिला सुरक्षाकर्मियों की अधिक आवश्यकता के बारे में बताया था। इसके बाद ही इतने बड़े स्तर पर महिला बलों की तैनाती का फैसला लिया गया।

अगर चुनाव कार्यक्रम की बात करें तो पश्चिम बंगाल की कुल 294 सीटों पर इस बार मतदान केवल दो चरणों में कराया जाएगा। पहला चरण 23 अप्रैल को 152 सीटों पर होगा जबकि दूसरा चरण 29 अप्रैल को बाकी 142 सीटों के लिए आयोजित किया जाएगा। मतगणना और नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

संन्यासी वेश छोड़ 'आईआईटी वाले बाबा' बने दूल्हा, इंजीनियर संग सात फेरे लेकर गांव पहुंचे तो देखने वालों की लग गई भीड़

झज्जर। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान अपने संन्यासी वेश और फर्राटेदार बातों से रातों-रात इंटरनेट सेंसेशन बने 'आईआईटी वाले बाबा' यानी अभय सिंह अब एक नई जिंदगी की शुरुआत कर चुके हैं। अध्यात्म के मार्ग पर चलने का दावा करने वाले अभय ने अचानक गृहस्थ जीवन में कदम रख लिया है। उन्होंने कर्नाटक की रहने वाली एक महिला इंजीनियर को अपना जीवनसाथी चुना है। विवाह के बाद जब यह नवविवाहित जोड़ा पहली बार हरियाणा स्थित अपने पैतृक गांव पहुंचा, तो उन्हें देखने और उनके साथ सेल्फी लेने वालों का तांता लग गया।

महाशिवरात्रि पर मंदिर में रचाई शादी, फिर की कोर्ट मैरिज

महाकुंभ में जमकर सुर्खियां बटोरने के बाद अभय सिंह अचानक सोमवार को अपनी पत्नी प्रीतिका के साथ हरियाणा के झज्जर तहसील पहुंचे। यहां उन्होंने अपने पिता कर्ण सिंह के बकालत चेंबर में जाकर उनका आशीर्वाद लिया। अभय के पिता झज्जर बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान रह चुके हैं। मीडिया से बातचीत में अभय ने अपनी शादी का राज खोलते हुए बताया कि उन्होंने बीते 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर हिमाचल प्रदेश के अपंजर महादेव मंदिर में प्रीतिका के साथ सात फेरे लिए थे। इसके बाद 19 फरवरी को दोनों ने कानूनी रूप से कोर्ट मैरिज भी कर ली। बेंगलुरु की रहने वाली प्रीतिका पेशे से इंजीनियर हैं और इन दोनों की पहली मुलाकात करीब एक साल पहले हुई थी।

सनातन यूनिवर्सिटी बनाने का रखा लक्ष्य

पति के साथ झज्जर पहुंचीं प्रीतिका ने अपनी नई जिंदगी को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि अभय बेहद सरल, सच्चे और ईमानदार स्वभाव के इंसान हैं। अध्यात्म में गहरी रुचि रखने वाले इस नवदंपति ने अब भविष्य के लिए एक बड़ा लक्ष्य तय किया है। प्रीतिका के मुताबिक, वे दोनों मिलकर सनातन धर्म को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। अभय ने बताया कि वे 'श्री यूनिवर्सिटी' नाम से एक सनातन विश्वविद्यालय बनाने के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इस यूनिवर्सिटी का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के साधकों और गुरुओं को एक जगह एकत्रित करना होगा। यहां छात्रों को किताबी और सांसारिक ज्ञान के साथ-साथ आध्यात्मिक साधना का भी पाठ पढ़ाया जाएगा।

अपने पिता के चेंबर में बैठकर अभय काफी खुश नजर आए। उन्होंने पुरानी यादें ताजा करते हुए बताया कि पहाड़ के दिनों में वह अक्सर यहां आकर बकालत के मुकदमों को फाइलें देखा करते थे। इस बार झज्जर आने का मुख्य कारण बैंक खाते की केवाईसी अपडेट कराना और माता-पिता से आशीर्वाद लेना था। सांसारिक मोह-माया से दूर रहने की बात कहने वाले अभय फिलहाल अपनी पत्नी के साथ हिमाचल प्रदेश में ही रह रहे हैं। वहीं, जैसे ही लोगों को पता चला कि सोशल मीडिया पर वायरल हुए आईआईटी वाले बाबा तहसील में आए हैं, तो चेंबर के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई। लोग उनके साथ तस्वीरें और सेल्फी लेने के लिए होड़ करते नजर आए।

दिल्ली में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर पहुंची असम पुलिस

नईदिल्ली। असम पुलिस मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के आवास पहुंची है। उनके साथ दिल्ली पुलिस के अधिकारी भी हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस खेड़ा से मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर लगाए गए आरोपों पर पूछताछ करना चाहती है। असम से 4 पुलिस अधिकारी दिल्ली आए हैं। उन्होंने यहां पहुंचने से पहले ही स्थानीय पुलिस को सूचित कर दिया था, जिसके बाद वे साथ में निजामुद्दीन स्थित आवास पहुंचे हैं।

बताया जा रहा है कि खेड़ा घर पर मौजूद नहीं हैं, वह बाहर गए हुए हैं। हालांकि, पुलिस अधिकारी उनका इंतजार कर रहे हैं ताकि उनसे मुलाकात हो सके।

कुछ रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि पुलिस खेड़ा को अपने साथ गुवाहाटी ले जा सकती है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। कांग्रेस के अन्य नेताओं के खेड़ा के आवास पहुंचने की संभावना है। दिल्ली पुलिस से भी संबंधित मामले में जानकारी ली जा रही है।

अमरावती बनी आंध्र प्रदेश की आधिकारिक राजधानी-राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद नया कानून लागू

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में अमरावती को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मंजूरी मिल गई है। उनके हस्ताक्षर के बाद सोमवार को केंद्रीय विधि मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी की गई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अधिसूचना को एक्स पर साझा कर लिखा, आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती है। पिछले दिनों संसद के बजट सत्र के दौरान आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम संशोधन विधेयक 2026 को दोनों सदनों में बहुमत से पारित किया गया था।

वर्ष 2014 में आंध्र प्रदेश से तेलंगाना राज्य निकला। तब हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी बनी, लेकिन आंध्र के पास स्थायी राजधानी न होने से 10 साल तक हैदराबाद दोनों की संयुक्त राजधानी रही। नायडू अमरावती को राजधानी बनाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन वर्ष 2019 में जगन मोहन रेड्डी की सरकार आने के बाद अमरावती में विकास रुक गया। उन्होंने 3 राजधानी मॉडल दिया, जिसमें विशाखापट्टनम को कार्यकारी राजधानी, अमरावती को विधायी राजधानी और कुर्नूल को न्यायिक राजधानी बनाया।

वर्ष 2024 में नायडू सरकार आने पर उन्होंने 3 राजधानी मॉडल को रद्द कर अमरावती को एक स्थायी राजधानी बनाने पर जोर दिया, जिसमें सफलता मिली है। अमरावती नियोजित ग्रीनफील्ड राजधानी परियोजना है। इसके लिए किसानों ने स्वेच्छा से 34,000 एकड़ से ज्यादा भूमि दी है और लगभग 54,000 एकड़ भूमि परियोजना के लिए ली गई है। अमरावती आधुनिक ब्लू-ग्रीन सिटी बनेगा। अभी लगभग 56,000 करोड़ रुपये से सड़क और भवनों समेत 91 परियोजनाएं चल रही हैं।

छत्तीसगढ़ में पेपर लीक के बाद माशिमं ने किया नया नियम लागू, 10 अप्रैल को होगी परीक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 12वीं बोर्ड के हिंदी का पेपर लीक होने के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) अलर्ट हो गया है और बड़ा कदम उठाया है। माशिमं 10 अप्रैल को हिंदी की दोबारा परीक्षा आयोजित कर रही है, जिसको लेकर नियम में बड़ा बदलाव किया गया है। गोपनीयता और सुरक्षा के मद्देनजर मंडल ने परीक्षा व्यवस्था में कई बदलाव किए हैं।

बोर्ड परीक्षा को लेकर इस बार माशिमं काफी सावधानी बरत रहा है। किसी भी तरह की गड़बड़ियों को रोकने के लिए परीक्षा सामग्री वितरण व्यवस्था में कई बदलाव किए गए हैं। अब प्रत्येक जिले के नोडल अधिकारी कंटेनर लेकर माशिमं दफ्तर आएंगे और यहां से प्रत्येक समन्वय केंद्र तक जीपीएस लॉक वाले कंटेनर में सामग्री भेजी जाएगी।

वन-टाइम लॉक सिस्टम रहेगा लागू

वन-टाइम लॉक सिस्टम लागू रहेगा और थाने में ही यूनिक नंबर मिलान व लॉक खोलने की प्रक्रिया होगी, जिसमें पुलिस और राजस्व अधिकारी मौजूद रहेंगे।

समन्वय केंद्र पहुंचने पर केंद्र प्रभारी पुष्टि करेंगे और वीडियो कॉल कर पार्टी ऑफिसर, नोडल अधिकारी एवं समन्वय केंद्र प्रभारियों की उपस्थिति में जीपीएस लॉक खोला जाएगा। समन्वय केंद्र में वन टाइम लॉक से स्ट्रॉन्ग रूम को सील किया जाएगा। सील करते समय भी वीडियोग्राफी कराई जाएगी। यह वीडियोग्राफी पार्टी ऑफिसर को सौंपी जाएगी। केंद्र अध्यक्ष के गोपनीय सामग्री की पेटी समन्वय केंद्र से बाहर ले जाते समय जिला शिक्षा अधिकारी वन टाइम लॉक लगे होने की जांच करेंगे। परीक्षा के उपरांत समस्त उपयोग किए गए वन टाइम लॉक को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करना होगा।

मणिपुर में 2 मासूम बच्चों की हत्या के बाद हालात तनावपूर्ण, ट्रकों में लगाई आग, 5 जिलों में इंटरनेट बंद, कर्फ्यू लगा

इम्फाल। मणिपुर में 2 मासूम बच्चों की हत्या के बाद हालात तनावपूर्ण, ट्रकों में लगाई आग, 5 जिलों में इंटरनेट बंद

इम्फाल। मणिपुर की राजधानी इम्फाल समेत सूबे के 5 जिलों में हिंसक घटना के बाद हालात बिगड़ गए हैं। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इम्फाल वेस्ट, इम्फाल ईस्ट, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में 3 दिन के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। यह प्रतिबंध मंगलवार दोपहर 2 बजे से लागू किया गया। बता दें कि सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एनआईए को सौंपने का फैसला किया है। सरकार ने अपने आदेश में कहा है कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए आशंका है कि कुछ असामाजिक तत्व वॉट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं।

सरकार ने कहा है कि इन माध्यमों से अफवाहें, नफरत फैलाने वाले संदेश और भड़काऊ वीडियो फैलाकर माहौल खराब किया जा सकता है। आदेश में कहा गया है कि ऐसी गतिविधियों से राज्य में शांति और कानून-व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। इसलिए अफवाहों और गलत सूचनाओं को रोकने के लिए इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद करना जरूरी हो गया है, ताकि लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक संपदा और निवेश संभावनाओं पर ऑस्ट्रेलियाई महावाणिज्यदूत संग सांसद बृजमोहन की अहम चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रवास पर रायपुर पहुंचे ऑस्ट्रेलियाई महावाणिज्यदूत, श्री बर्नार्ड लिंच ने रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच राज्य के समग्र विकास, निवेश संभावनाओं और सांस्कृतिक विरासत पर व्यापक एवं सार्थक चर्चा हुई।बैठक में छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश की संभावनाओं, प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग तथा राज्य को एक उभरते औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने के विषय पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सांसद श्री अग्रवाल ने सरकार द्वारा संचालित विकास और जनहित की योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध हेरिटेज, कला, संस्कृति और पर्यटन की अपार संभावनाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई। श्री अग्रवाल ने विशेष रूप से विश्व धरोहर 'सिरपुर' का उल्लेख करते हुए बताया कि यह स्थल जैन धर्म की तपस्या, बौद्ध धर्म की शांति और सनातन संस्कृति के अटूट संगम का जीवंत प्रमाण है। यह ऐतिहासिक धरोहर न केवल भारत, बल्कि विश्व के पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार क्षमता रखती है।श्री अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ की अद्भुत प्राकृतिक संपदा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह राज्य घने जंगलों, मनोरम पहाड़ियों, नदियों, शांत झीलों और जैव विविधता से परिपूर्ण प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय उदाहरण है। यहां का हर क्षेत्र प्रकृति की अनुपम छटा को समेटे हुए है, जो न केवल पर्यटकों को आकर्षित करता है, बल्कि इको-टूरिज्म के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था और युवाओं के रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम भी बन सकता है।मुलाकात के दौरान श्री बर्नार्ड लिंच ने भारतीय संस्कृति के प्रति अपनी गहरी रुचि व्यक्त करते हुए गौ माता को देखने की इच्छा जताई।

राष्ट्र को परम वैभव की ओर ले जाना ही संघ का ध्येय : स्वप्निल कुलकर्णी

संघ के प्रमुख जन गोष्ठी में मुस्लिम ईसाई सहित अन्य समाजों के प्रमुख जनों ने भाग लिया

राजनांदगांव (

)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। होटल राज इंपीरियल के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मध्य क्षेत्र प्रचारक स्वप्निल कुलकर्णी थे। वहीं कार्यक्रम में विभाग संघ चालक राजेश ताम्रकार और जिला संघ चालक राधेश्याम शर्मा मंचस्थ थे। श्री कुलकर्णी ने संघ के भविष्य के विजन और राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में श्री कुलकर्णी ने कहा कि संघ का मूल उद्देश्य भारत को परम वैभव के शिखर पर ले जाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परम वैभव का अर्थ केवल शक्तिशाली या साम्राज्यवादी होना नहीं है, बल्कि भारत को दुनिया का सबसे अच्छा और आदर्श देश बनाना है। उन्होंने जोर देकर कहा, हमें भारत को बड़ा बनाना है, लेकिन भारत को भारत बनाए रखते हुए ही यह संभव है। स्वप्निल जी ने संघ की प्रार्थना और शाखाओं में गाए जाने वाले गीतों का संदर्भ देते हुए कहा कि राष्ट्र को शिखर पर ले जाने की पहली शर्त धर्म का संरक्षण है। उन्होंने धर्म की व्याख्या करते हुए कहा कि यह केवल पूजा-पाठ या उपासना की पद्धति नहीं है, बल्कि यह हमारे शाश्वत जीवन मूल्य हैं। इन्हीं मूल्यों के आधार पर एक समर्थ राष्ट्र की नींव रखी जा सकती है।

गोष्ठी के दौरान संघ के 100 वर्षों की विकास यात्रा और आने वाले समय में समाज के प्रति संघ की जिम्मेदारियों पर चर्चा की गई। वक्ता श्री स्वप्निल ने आह्वान किया कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए समाज के हर वर्ग को अपनी जड़ों से जुड़कर राष्ट्रहित में कार्य करना होगा। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता श्री स्वप्निल ने उपस्थित प्रमुख जनों के द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का सारगर्भित एवं समाधान कारक उत्तर दिया। नगर में यह पहला अवसर है, जब संघ के आयोजन में मुस्लिम एवं ईसाई समाज के प्रमुखजन सहित शहर एवं अंचल के विभिन्न श्रेणियों के प्रबुद्धजनों को आमंत्रित किया गया था। वहीं गोष्ठी में समाजसेवी व उद्योगपति बहादुर अली, अधिवक्ता एचबी हाजी, मनोज चौधरी, संत समाज से ज्ञानी सतपाल सिंह, जितेंद्र साहेब, देवेंद्र साहब, स्वामी अनंतानंद जी, किशोरी लाल जी महाराज, आदिवासी समाज से एमडी ठाकुर, बौद्ध समाज से कनैया लाल खोब्रागड़े, जिला सतनामी समाज से विजय राय, गुजराती समाज से हीरा भाई पटेल, मुस्लिम समाज से हसन अली, इरफान खान, कृषक दादू राम सोनकर, डॉ. पवन जेठानी, डॉ. मिथलेश शर्मा, डॉ. भालेराव, शिक्षाविद् नीरज बाजपेई, सीए राजेश जैन, प्रफुल्ल कोठारी, जनप्रतिनिधियों में संसद सदस्य संतोष पाण्डेय, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, कोमल सिंह राजपूत, सागर चितलांग्या, करनैल सिंग भाटिया सहित बड़ी संख्या में प्रमुख जन उपस्थित थे।

अवैध रेत उत्खनन और खाद्य मिलावट पर होगी सीधी कार्यवाही

ई-ऑफिस से होगा अब सारा सरकारी काम, पिलरों के नीचे से रेत निकालने वालों पर दर्ज होगी एफआईआर

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव । कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभागवार प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी विभाग में कार्यालयीन पत्राचार अब ई-ऑफिस के माध्यम से ही करें। जिससे कार्य में पारदर्शिता और गति दोनों सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर ने बताया कि छत्तीसगढ़ मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत साधना सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत प्रत्येक विभाग एक नोडल अधिकारी नियुक्त करे तथा सभी अधिकारी-कर्मचारी ऑनबोर्ड होकर निर्धारित लर्निंग कोर्स समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खाद्य दुकानों एवं प्रतिष्ठानों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने तथा खाद्य सामग्री में मिलावट करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि मिलावटी एवं एक्सपायरी तिथि वाली खाद्य सामग्री पाए जाने पर संबंधित संचालकों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए, ताकि जनसामान्य के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने जिले में शासकीय भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को संज्ञान में लेते हुए शीघ्र हटाने के निर्देश दिए, ताकि शासकीय भूमि का उपयोग विकास कार्यों में किया जा सके। साथ ही सभी विभाग प्रमुखों को उनके विभाग से संबंधित उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत गुणवत्ता और समय-सीमा में कार्य करने वाले ठेकेदारों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुल-पुलियों के पिलरों के नीचे से होने वाले अवैध रेत खनन पर कड़ी कार्रवाई करने एसडीएम एवं खनिज विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। राजस्व एवं भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों का तेजी से निराकरण करने कहा।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, पीजीएन पोर्टल एवं टीएल के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी विभाग आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने ग्राम पंचायतों में राजस्व प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की। ग्राम पंचायतों में प्राप्त सभी प्रकरणों का पारदर्शी और समयबद्ध निराकरण किया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्माण कार्यों को भी बारिश के पहले पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि हितग्राहियों को बारिश मौसम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों तथा अन्य सभी निर्माण कार्यों को भी गुणवत्तापूर्ण तरीके से बारिश से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एवं धान उठाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरुचि सिंह, अपर कलेक्टर सी.एल. मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा, नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

स्थापना दिवस पर भगवामय हुआ भाजपा कार्यालय, वरिष्ठों ने किया ध्वजारोहण

खूबचंद पारख बोले- 1951 में बोया गया राष्ट्रवाद का बीज आज बना वटवृक्ष, 12 अप्रैल तक चलेगा गांव-बस्ती चलो अभियान

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव । भाजपा का स्थापना दिवस 6 अप्रैल को जिला भाजपा कार्यालय में बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण और वंदे मातरम के साथ हुई। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने झंडारोहण कर अपने पुरोधाओं को नमन किया। भाजपा नेताओं ने स्थापना दिवस के अवसर पर सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इस मौके पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता खूबचंद पारख ने कहा कि राष्ट्रवाद का जो बीज 1951 में बोया गया था, वह आज वटवृक्ष बनकर पूरे देश में खड़ा है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो अपने स्वार्थ से पहले 'राष्ट्र सर्वोपरि' के सिद्धांत पर काम करती है।

श्री पारख ने कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि 6 अप्रैल 1980 को भाजपा का गठन हुआ था और आज समर्पित कार्यकर्ताओं के बल पर यह दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की यात्रा केवल एक राजनैतिक दल की यात्रा नही है बल्कि राष्ट्र निर्माण की सतत विचाधार का सतत प्रवाह है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सेवाए समर्पण और संगठन की भावना के साथ कार्य करते हुए समाज के हर वर्ग तक पार्टी की नीतियों और योजनाओं को पहुंचाएं।

स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि संतोष अग्रवाल ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को पार्टी के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचार और अटल बिहारी वाजपेयी के सुशासन एवं लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है। इन महान नेताओं के आदर्शों ने भाजपा को एक सशक्त वैचारिक आधार प्रदान किया है। जो आज भी संगठन को दिशा देने का कार्य कर रहा है। जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने कहा कि भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि यह मुकाम कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता के कारण हासिल हुआ है। उन्होंने पार्टी के मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास को दोहराते हुए कहा कि भाजपा लगातार देश और समाज के विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम को वरिष्ठ नेता सुरेश एच लाल व योगेश दत्त मिश्रा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन भावेश बैद ने किया। वहीं आभार भाजपा उपाध्यक्ष तरुण लहरवानी ने किया। इस मौके पर सचिन सिंह बघेल, रमेश पटेल, अशोक चौधरी, प्रकाश सांखला, जिला महामंत्री सौरभ कोठारी, बंटी लाल, रोहित चंद्राकर, पूर्णिमा साहू, रेखा मेश्राम सहित मंडल के अध्यक्ष पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर भाजपा जिला कार्यालय में लाइटिंग की गई। फूल-मालाओं से सजावट हुई। रंगोलियां बनाई गई। भाजपा का कमल का फूल भी बनाया गया।

12 तक चलेगा गांव चलो, बस्ती चलो अभियान

भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर जिला कार्यालय के साथ-साथ मंडल एवं बूथ स्तर पर मनाया गया। भाजपा जिला कोषाध्यक्ष और स्थापना दिवस के जिला संयोजक भावेश बैद ने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर बीजेपी 7 से 12 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में गांव-बस्ती चलो अभियान चलाएगी। इस अभियान के दौरान बीजेपी के सभी जनप्रतिनिधि सांसद, विधायक, मेयर और नगर पालिका अध्यक्षों से लेकर पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों और नेता शामिल होंगे। इस दौरान वह गांव जाकर शासन की योजनाओं के हितग्राहियों और आम लोगों से संवाद करेंगे।

राजनांदगांव पुलिस का ऑपरेशन क्लीन : सरेराह गुंडागर्दी करने वाले 8 बदमाश पहुचे जेल

शराब पीकर उत्पात मचाने और डराने-धमकाने वालों पर पुलिस की स्ट्राइक, अवैध शराब भी जब्त

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने और समाज विरोधी तत्वों को कड़ा संदेश देने के लिए सिटी कोतवाली पुलिस ने विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्यवाही की है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई के दौरान 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इन पर सार्वजनिक स्थानों पर विवाद करने, शराब पीकर उत्पात मचाने और आम जनता को डराने-धमकाने का आरोप है। कोतवाली थाना प्रभारी मिलन सिंह ने बताया कि 6 और 7 अप्रैल को मुखबिर की सूचना पर लखोली, दुर्गा चौक और गौठान पारा क्षेत्रों में घेराबंदी की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ युवक शराब के नशे में आपस में लड़ रहे हैं और वहां से गुजरने वाले राहगीरों के साथ गाली-गलौज कर उन्हें डरा रहे हैं। समझाइश के बाद भी उत्पात बंद न करने पर पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लिया।

अवैध शराब बिक्री पर भी प्रहार

कार्यवाही के दौरान लखोली दुर्गा चौक के पास अवैध रूप से शराब बेच रहे संतोष कुमार साहू को पकड़ा गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 19 पौवा देशी मसाला शराब जब्त की है। आरोपी के खिलाफ धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही शांति भंग करने के आरोप में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए निम्नलिखित आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। जिसमें संतोष कुमार साहू (52 वर्ष) लखोली, गोविंदराम साहू (54 वर्ष) लखोली, लक्ष्मण महिलांगे (19 वर्ष) कुंआ चौक लखोली, धनराज (35 वर्ष) लखोली नाका, देवेश यादव (25 वर्ष) गौठान पारा, मनमोहन (27 वर्ष) दुर्गा चौक, राकेश साहू (20 वर्ष) दुर्गा चौक, दुष्यंत निर्मलकर (19 वर्ष) संजय नगर लखोली है। इस सफल कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक मिलन सिंह के साथ उप निरीक्षक रतन सिंह नेताम, स.उ.नि. चौहान, प्रधान आरक्षक अफजल खान, आरक्षक राजेश साहू, अश्वनी कुमार एवं पेट्रोलिंग टीम की विशेष भूमिका रही। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर की शांति से खिलवाड़ करने वाले किसी भी तत्व को बख्शा नहीं जाएगा।

जिले के सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता

राजनांदगांव। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि जिले के सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं एवं अन्य आवश्यक सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि दवाओं की आपूर्ति सीजीएमएससी के ड्रग वेयरहाउस केन्द्र से ऑनलाइन मांग के माध्यम से की जाती है। जिसके अनुरूप समय पर आपूर्ति प्राप्त हो रही है। उन्होंने बताया कि जिन दवाओं एवं सामग्री की उपलब्धता सीजीएमएससी में नहीं होती, उनकी पूर्ति जिला स्तर पर स्थानीय खरीदी के माध्यम से की जा रही है, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पत्रकार चंदूलाल चंद्राकर पर अमितेश को मिली पीएचडी उपाधि

अमितेश सोनकर को मिली पीएचडी उपाधि, चंदूलाल चंद्राकर की पत्रकारिता पर किया शोध
अमितेश सोनकर ने किया शोध, मिली डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि
छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर चंदूलाल चंद्राकर के नाम से दिया जाता है पत्रकारिता पुरस्कार

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, भिलाई (छत्तीसगढ़) ने डोंगरगांव तहसील ग्राम रूदगांव निवासी, शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक अमितेश सोनकर को पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने ÷छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के प्रतिमान चंदूलाल चंद्राकर-एक अध्ययन÷ विषय पर अपना शोध कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया। अमितेश सोनकर ने यह शोध कार्य सहायक प्राध्यापक डॉ. संजीव कुमार के निर्देशन में किया। विषय विशेषज्ञ बाह्य परीक्षा के रूप में एसोसिएशन प्रोफेसर, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर से डॉ.धीरज शुक्ला उपस्थित रहे।

सोनकर ने बताया कि शोध कार्य छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर चंदूलाल चंद्राकर के नाम से पत्रकारिता पुरस्कार दिया जाता है। उनके कार्यों को लेकर शोध कार्य पूर्ण किया। श्री चंद्राकर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने समाज एवं राज्य के नाम का परचम फहराने वाले निर्भीक, साहित्यिक एवं सामाजिक पत्रकार के रूप में जाने जाते हैं। वर्तमान में वे सभी पत्रकारिता के लिए मील के पत्थर समान सुशोभित हैं जो अपने निजी स्वार्थों को त्याग कर अपना सर्वस्व समाज व राष्ट्र को समर्पित कर देते है। अपनी लेखनी से समाज की ज्वलंत समस्याओं को उजागर करते हुए तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों के प्रति अपने कलम से जन - जागरण का कार्य किया है।

अपनी इस उपलब्धि का श्रेय डॉ. अमितेश कुमार ने अपने शोध निर्देशक डॉ. संजीव कुमार, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धनेश जोशी अपने पिता संतोष कुमार, माता श्याम कुमारी सोनकर, जीवन संगिनी सीमा सोनकर, बेटी श्रीवान्या सोनकर, पिता संतोष कुमार, माता मंजू सोनकर और भईया-भाभी को दिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता के आशीर्वाद और गुरु के कुशल निर्देशन से ही यह सफलता संभव हो पाई है।

पीएचडी की उपाधि मिलने की खबर से उनके परिवार, ग्रामवासियों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भिलाई, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धनेश जोशी, डॉ. नरेश साहू, डॉ. संतोष कुमार सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राजनांदगांव की 498 राशन दुकानों में मना चावल उत्सव, हितग्राहियों को मिला खाद्यान्न

कलेक्टर के निर्देश पर पारदर्शिता के साथ हुआ वितरण, हर माह की 7 तारीख को मनेगा उत्सव

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव कलेक्टर जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आज जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत संचालित सभी 498 शासकीय उचित मूल्य दुकानों में पारदर्शिता सुनिश्चित कराने एवं प्रत्येक पात्र हितग्राही तक सुगमता से खाद्यान्न पहुंचाने के उद्देश्य से उत्साहपूर्वक चावल उत्सव मनाया गया। चावल उत्सव के दौरान पारदर्शिता बनाए रखने के लिए स्थानीय निगरानी समितियों के सदस्यों की उपस्थिति में राशन दुकानों से हितग्राहियों को पात्रतानुसार खाद्यान्न का वितरण किया गया।

जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक माह की 7 तारीख को जिले की समस्त शासकीय उचित मूल्य दुकानों में अनिवार्य रूप से चावल उत्सव मनाया जा रहा है। इस पहल से न केवल वितरण प्रणाली में सुधार आया है, बल्कि ग्रामीणों को एक निश्चित तिथि पर राशन मिलने से उनकी समस्याओं का भी निराकरण हो रहा है। वितरण प्रक्रिया की निगरानी के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों ने केन्द्रों का निरीक्षण किया। शासन द्वारा अंत्योदय एवं प्राथमिकता वाले राशन कार्ड धारकों को निर्धारित मात्रा में गुणवत्तापूर्ण चावल प्रदान किया गया। जिला प्रशासन द्वारा सभी राशन कार्ड धारकों से प्रतिमाह की 7 तारीख को आयोजित होने वाले चावल उत्सव का लाभ लेने की अपील की है।

फूलचंद बाफना का निधन

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव । गीदम निवासी दंतेश्वरी सर्विस स्टेशन पेट्रोल पंप के संचालक एवं मालिक फूलचंद बाफना पिता स्व मेघराज जैन का राजनांदगांव के पूर्व महापौर अजीत जैन के निवास स्थान में निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार राजनांदगांव मुक्तिधाम में किया गया।

80 वर्षीय श्री फुलचंद बाफना पूर्व महापौर अजित जैन के ससुर थे तथा वे विगत 8 वर्षों से अपनी धर्मपत्नी के साथ अपनी पुत्री सुनिता जैन के साथ निवास कर रहे थे। फूलचंद बाफना की पत्नी सुवाबाई एवं चार पुत्रियां है। फूलचंद बाफना की अर्थी को कंधा मुखाग्नि व कपाल क्रिया उनकी पुत्री सुमन दुग्गड़ पति स्व. राजकुमार दुग्गड़ निवासी जगदलपुर व सुनिता जैन पति अजित जैन एवं श्रीमती संतोष बोथरा पति राजकुमार बोथरा निवासी जगदलपुर, श्रीमती सीमा सुराना पति अरविंद सुराना निवासी गीदम के द्वारा किया गया है। अंतेष्ठि में राजनांदगांव शहर के गणमान्य नागरिक परिवारजन रिश्तेदार एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

एबीवीपी की पहल रंग लाई : व्यापमं परीक्षा के चलते सेमेस्टर एग्जाम की तिथि बढ़ी

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के हित में उठाई गई पहल सफल रही। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा दिग्विजय महाविद्यालय की प्राचार्य महोदया को सौंपे गए ज्ञापन के बाद प्रशासन ने त्वरित निर्णय लेते हुए 27 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित सेमेस्टर परीक्षा की तिथि आगे बढ़ा दी है।

ज्ञात हो कि 26 अप्रैल को व्यापम की महत्वपूर्ण परीक्षा आयोजित होने वाली है। जिसमें महाविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल होने वाले थे। इसके अगले ही दिन सेमेस्टर परीक्षा निर्धारित होने के कारण विद्यार्थियों को पर्याप्त तैयारी और मानसिक विश्राम का समय नहीं मिल पा रहा था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए एबीवीपी ने विद्यार्थियों की ओर से परीक्षा तिथि परिवर्तन की मांग रखी थी। एबीवीपी नगर मंत्री अक्षत श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक हित को ध्यान में रखते हुए यह मांग की गई थी। जिसे महाविद्यालय प्रशासन ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया। उन्होंने इस निर्णय के लिए प्राचार्य का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे छात्रों को दोनों परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी नोटिस के अनुसार अब सेमेस्टर परीक्षा की नई तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी। इस निर्णय से विद्यार्थियों में खुशी का माहौल है और उन्होंने एबीवीपी के इस प्रयास की सराहना की है। यह निर्णय दर्शाता है कि जब छात्रहित के मुद्दों को संगठित रूप से उठाया जाता है, तो सकारात्मक परिणाम अवश्य मिलते हैं।

ट्रैक्टर पलटने से 2 की मौत

बालोद (दावा)। जिले के पुरूर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई। घटना जगतरा गांव स्थित नैकुरा पुलिया के पास की है, जहां पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दो लोगों की मौत से गांव में मातम पसर गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, देर रात ग्राम डोकला (थाना चारामा) निवासी योगेश्वर साहू (32 वर्ष) और देवेंद पाड़े (30 वर्ष) ट्रैक्टर में झटका तार और पोल लेकर फागुनदहा गांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान नैकुरा पुलिया के पास पीछे से तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक और साथ बैठे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुरूर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है। फिलहाल पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और फरार वाहन चालक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

सही दिशा और सही स्थान पर रखें गणेश जी की मूर्ति

मरगज गणेश जी की मूर्ति घर पर स्थापित करने से तो यह आपके जीवन के कष्टों को दूर करने में सहायता करती है और समृद्धि की वजह बनती है। आज हम आपको इस मूर्ति को घर में स्थापित करने के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ज्योतिष और आध्यात्मिक मान्यता के मुताबिक घर में देवी-देवताओं की मूर्ति रखने का सही दिशा और एक अलग तरीका होता है। क्योंकि यदि आप भगवान की मूर्ति को सही दिशा में नहीं रखते हैं, तो आपके घर और जीवन में निगेटिव एनर्जी हो सकती है। घर में रखी देवी-देवताओं की मूर्ति अत्यधिक महत्व रखती है। इन पूजनीय प्रतीकों में मरगज गणेश जी की मूर्ति भी शामिल है। मान्यता के मुताबिक मरगज गणेश जी की मूर्ति घर में सुख-समृद्धि, ज्ञान और परिवार के सदस्यों के बीच सद्भाव बनाए रखने में मदद करती है।

इसके अलावा मरगज गणेश जी की मूर्ति घर पर स्थापित करने से तो यह आपके जीवन के कष्टों को दूर करने में सहायता करती है और समृद्धि की वजह बनती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मूर्ति को घर में स्थापित करने के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मरगज गणेश की मूर्ति मिट्टी, कीचड़ और विभिन्न प्राकृतिक तत्वों सहित कई पवित्र सामग्रियों के अनूठे मिश्रण से बनाकर तैयार की जाती है।

भगवान गणेश की पूजा विघ्नहर्ता और सफलता के अग्रदूत के रूप में की जाती है। वहीं भगवान गणेशी की पूजा उद्यम की शुरूआत और शुभ अवसरों पर की जाती है। यह मूर्ति आध्यात्मिक महत्व के अलावा दिव्य गुणों के शक्तिशाली अवतार के रूप में पूजी जाती है।

मरगज गणेश मूर्ति का ज्योतिष महत्व

ज्योतिष के मुताबिक घर में देवी-देवताओं और प्रतीकों का स्थान व्याप्त ब्रह्मांडीय ऊर्जाओं को प्रभावित करने का काम करता है। मान्यता के मुताबिक जब मरगज गणेश की मूर्ति को सही स्थान पर स्थापित किया जाता है और पूरे भक्ति-भाव से इसकी पूजा-अर्चना की जाती है। तब यह आकाशीय क्षेत्र से पॉजिटिव कंपन और आशीर्वाद को आकर्षित करने का काम करती है। इस मूर्ति की उपस्थिति घर में मौजूद अशुभ प्रभावों के खिलाफ सुरक्षा कवच के रूप में काम करता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह करती है।

घर में आती है समृद्धि

घर में मरगज गणेश जी की मूर्ति को स्थापित करने से जीवन में सुख-समृद्धि और प्रचुरता बनी रहती है। क्योंकि भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है और इनको विघ्नहर्ता भी कहा जाता है।शुभ कार्यों की शुरूआत करने के लिए एक शक्तिशाली प्रतीक के तौर पर घर में मरगज गणेश की मूर्ति को स्थापित किया जाता है। वहीं रोजाना गणेश भगवान की पूजा-अर्चना कर जीवन में सफलता, समृद्धि और वित्तीय स्थिरता का आशीर्वाद मांगा जाता है।

बाधाओं को करती है दूर

बता दें कि मरगज गणेश की मूर्ति न सिर्फ व्यक्तिगत बल्कि व्यवसायिक विकास में आने वाली बाधाओं पर काबू पाने के लिए दिव्य प्रतीक के रूप में कार्य करती है। मरगज गणेश जी को बाधाओं दूर करने वाले देवता के रूप में पूजा की जाती है।मान्यता के मुताबिक भगवान गणेश अपने भक्तों के कष्टों को दूरकर उन्हें साहस और ज्ञान प्रदान करते हैं। जो भी व्यक्ति पूरी भक्ति और ईमानदारी से भगवान मरगज की पूजा करता है, वह व्यक्ति की बाधाओं को दूर करने में सफल होते हैं।

सद्भाव को मिलता है बढ़ावा

घर में स्थापिक मरगज गणेश की मूर्ति सद्भाव, शांति और कल्याण को बढ़ावा देती है। इसके अलावा भगवान गणेश को ज्ञान और बुद्धि के देवता के रूप में पूजा जाता है। जो जीवन में संतुलन और महत्व का प्रतीक मानी जाती है। इस मूर्ति की उपस्थिति शांत और सकारात्मक माहौल बनाती है।

आध्यात्मिक विकास को मिलता है बढ़ावा

मरगज गणेश जी की पूजा करने से परिवार को आध्यात्मिक विकास और ज्ञानोदय की सुविधा प्रदान होती है। क्योंकि भगवान गणेश धार्मिकता और आत्म-खोज के मार्ग पर मार्गदर्शन करते हैं।

मरगज गणेश की रोजाना पूजा करना आवश्यक है। आप पूजा के दौरान श्रद्धा अनुसार फूल, फल, मिठाइयां और धूप चढ़ा सकते हैं।

ऐसे करें स्थापना

घर में मरगज गणेश जी की मूर्ति का स्थान सकारात्मक प्रभावों को बढ़ावा देने के लिए अहम है। घर के पूर्वोत्तर कोने में या पूजा कक्ष में पूर्व या पश्चिम की ओर मूर्ति को रखना चाहिए। बेडरूम या बाथरूम के आसपास भूलकर भी इस मूर्ति को नहीं रखना चाहिए।

अगर कोई भी भक्त घर में सही स्थान और सही दिशा में मरगज गणेश की मूर्ति स्थापिक कर पूजा करता है। तो उसके घर में सदैव खुशहाली बनी रहती है।

22 दूर्वा चढ़ाना चाहिए श्रीगणेश को

जीवन में सुख व समृद्धि की प्राप्ति के लिए श्रीगणेश को दूर्वा जरुर अर्पित की जानी चाहिए। दूर्वा एक प्रकार की घास है,जो किसी भी बगीचे में आसानी से उगाया जा सकता है।श्रीगणेश को हरियाली बहुत पंसद है। गणेश जी को प्रदान की गई दूर्वा जातक के जीवन में भी हरियाली यानी कि खुशियों को बढ़ाने वाली होती है। गणेश जी को दूर्वा एक खास तरीके से चढ़ाई जाती है। ये तरीके है - दूर्वा का जोड़ा बनाकर चढ़ाना। 22 दूर्वा को जोड़े से बनाने पर 11 जोड़ा दूर्वा का तैयार हो जाता है। जिसे भगवान गणेश को अर्पित करने से मनोकामना की पूर्ति में सहायक माना गया है।श्री गणेश को 3 या 5 गांठ वाली दूर्वा अर्पित की जाती है। किसी मंदिर की जमीन में उगी हुई या बगीचे में उगी हुई दूर्वा लेना चाहिए।

पश्चिम एशिया संकट, फंस गए रे ट्रंप

वर्ष 2010 की चर्चित फिल्म 'फंस गए रे ओबामा' एक कामेडी फिल्म थी। यह एक त्रासदी से उपजी थी। इसकी कहानी राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिका में उभरे आर्थिक संकट से ग्रस्त भारत आए एक एनआरआइ से संबंधित थी। जैसे अमेरिका में आई मंदी ने उस वक्त सारे विश्व को परेशान किया, वैसे ही अमेरिका की ओर से इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर किए गए हमले से आज सारा विश्व त्रस्त है। इस युद्ध को जारी हुए एक महीने से अधिक का समय बीत गया है और कहना कठिन है कि यह कब समाप्त होगा ?यदि अमेरिका इजरायल का साथ नहीं देता तो इस युद्ध की नौबत ही नहीं आती, लेकिन ऐसा लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने अहंकार के चलते ईरान को वेनेजुएला समझ लिया और बिना यह विचारे उस पर चढ़ाई कर दी कि उसने कितनी एवं कैसी सैन्य क्षमता हासिल कर ली है? वे इसे भी भांप नहीं सके कि ईरान पड़ोसी देशों में हमले करके और होर्मुज समुद्री मार्ग अवरुद्ध कर उनके पसीने छुड़ा देगा। वह फिलहाल सचमुच ऐसा करने में समर्थ है और ट्रंप को सूझ नहीं रहा है कि वे इस युद्ध से कैसे निकलें?

एक ओर वे सबसे शक्तिशाली शासक और विश्व के नीति-नियंता होने के गुमान में हैं और दूसरी ओर ईरान को होर्मुज खोलने के लिए मोहलत पर मोहलत देकर अपनी कमजोरी भी जाहिर कर चुके। यदि उनकी सेना इतनी ही शक्तिशाली है तो ईरान की मारक क्षमता कम होने का नाम क्यों नहीं ले रही है? वह ऐसी-ऐसी मिसाइलें दागने में लगा हुआ है, जिससे अमेरिका भी दंग है और इजरायल भी। ट्रंप कभी ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की धमकी देते हैं और

कभी उससे शांति वार्ता की पहल करते हैं।

ट्रंप ने ईरान के समक्ष शांति वार्ता का जो प्रस्ताव रखा, उसने उसे खारिज ही नहीं किया, बल्कि उनका उपहास भी उड़ाया। वह उन्हें जवाबी धमकी भी दे रहा है। ट्रंप ने ईरान पर हमला करते समय कहा था कि वे वहां सत्ता परिवर्तन के साथ परमाणु हथियारों के निर्माण की उसकी क्षमता खत्म करना चाहते हैं। ईरान में सत्ता परिवर्तन के कोई आसार नहीं, जबकि उसके सुप्रीम नेता खामेनेई समेत कई बड़े सैन्य अफसर मारे जा चुके हैं। यह कहना भी कठिन है कि अमेरिका और इजरायल के हमलों में उसके परमाणु संयंत्र इतने बुरी तरह तबाह हो गए हैं कि वह फिर कभी परमाणु हथियार बनाने की क्षमता हासिल नहीं कर सकेगा।अपनी टैरिफ नीति की लाठी से दुनिया को हांकने वाले ट्रंप न तो खाड़ी देशों को ईरान के हमलों से बचा पा रहे हैं और न ही अपने मित्र देशों और यहां तक कि नाटो देशों को इस युद्ध में सहयोग देने के लिए राजी कर पा रहे हैं। उनके मित्र देश उनका सहयोग करने के लिए इसलिए भी आगे नहीं आ रहे हैं, क्योंकि बहुत समय नहीं हुआ, जब उन्होंने ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी देकर उन्हें तंग किया था। ईरान ने इस माहौल की हवा निकाल दी है कि दुनिया में वही होगा, जैसा ट्रंप चाहेंगे और उनकी जिद के सामने अन्य देशों को झुकना ही होगा।

ट्रंप यह कहते रहे हैं कि वे शांति के राष्ट्रपति हैं और सात-आठ युद्ध रोके हैं, लेकिन उनके पास इसका कोई जवाब नहीं कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध क्यों नहीं रोक सके, जिस पर उन्होंने सबसे ज्यादा रियाज किया। शांति का स्वयंभू मसीहा होने के नाते वे खुद को नोबेल पुरस्कार का अधिकारी बताते रहे हैं और उसके न मिलने पर विलाप भी करते रहे हैं, लेकिन उन्होंने कुल मिलाकर दुनिया को अस्थिर और अशांत ही किया है। वे अपने विरोधी देशों के साथ मित्र देशों से भी बुरा बर्ताव करने के आदी हैं। ट्रंप यह चाहते हैं कि सारी दुनिया उन्हें सलाम करे, लेकिन वे इसके लिए धौंस-धमकी का सहारा लेते हैं।इसी कारण वे आदर और सम्मान के पात्र नहीं और न हो सकते हैं। ट्रंप एक अविश्वसनीय और अराजक शासक हैं, क्योंकि वे अपने कहे से मुकरने, मनमानी करने और झूठ बोलने में माहिर हैं।

वे ऐसा दिखाते हैं कि उनके पास दुनिया की हर समस्या का समाधान है, पर पश्चिम एशिया संकट उनके गले की हड्डी बन गया है। इससे वे कितने कुंठित हैं

राजीव सचान।

सत्ता की हैट्रिक या विपक्ष की वापसी

इस समय तमाम निगाहें पश्चिम बंगाल चुनाव पर टिकी हैं, जहां 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा, लेकिन उससे पहले नौ अप्रैल को होने वाले असम और केरल के चुनाव में भी राजनीतिक दलों का बहुत कुछ दांव पर है। इन राज्यों में हार-जीत सिर्फ भावी सत्ता का ही फैसला नहीं करेगी, राजनीतिक दलों की दशा-दिशा को भी प्रभावित करेगी। दशकों तक कांग्रेस के दबदबे वाले असम के रास्ते ही भाजपा पूर्वोत्तर राज्यों की सत्ता पर काबिज हो पाई। जनसांख्यिकीय परिवर्तन से मूल पहचान के संकट को लेकर अर्से तक छात्र आंदोलन और हिंसा का शिकार रहे असम में 2016 में सरकार बनना भाजपा के लिए सुखद आश्चर्य ही था। वह आरएसएस और भाजपा की दशकों की मेहनत का भी प्रतिफल था, लेकिन कुछ श्रेय कांग्रेस की आत्मघाती राजनीति को भी दिया जाना चाहिए।

असम के बड़े कांग्रेस नेता रहे हिमंत बिस्वा सरमा के 2015 में भाजपा में शामिल होने के बाद ही पूर्वोत्तर राज्यों में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदले। बेशक असम का मुख्यमंत्री बनने के लिए हिमंत को पूर्वोत्तर में भाजपा के विस्तार की कठिन कसौटियों पर खरा उतरते हुए पांच साल इंतजार करना पड़ा, लेकिन आज वह उस क्षेत्र में पार्टी के सबसे बड़े नेता हैं। वे जिस तरह हिंदुत्व की आक्रामक राजनीति करते हैं, वह भाजपा को रास आ रही है। कांग्रेस में उनकी सेंधमारी जारी है और लगभग दो दर्जन पूर्व कांग्रेसियों को इस विधानसभा चुनाव में भाजपा से टिकट दिलवाने में भी वे सफल रहे हैं। हिमंत शैली की राजनीति असम समेत पूरे पूर्वोत्तर में ही भाजपा के लिए अभी तक फायदेमंद रही है। 126 सदस्यीय असम विधानसभा के चुनाव में हिंदू मतों का ध्रुवीकरण भाजपा की जीत का आजमाया हुआ नुस्खा है, जबकि कांग्रेस की आस अल्पसंख्यक मतों की गोलबंदी पर टिकी है, लेकिन वहां मूल और बाहरी का जटिल समीकरण भी है।

2016 के चुनाव में 64 प्रतिशत असमी हिंदुओं ने जहां राजग के पक्ष में मतदान किया, वहीं 24 प्रतिशत ने कांग्रेसनीत महाजोत को चुना। बंगाली हिंदुओं में 63 प्रतिशत ने राजग और 31 प्रतिशत ने महाजोत को वोट दिया। असमी मुसलमानों में 78 प्रतिशत ने महाजोत के पक्ष में मतदान किया, जबकि राजग को उनके सात प्रतिशत वोट ही मिले। बंगाली मुस्लिमों में से 76 प्रतिशत ने महाजोत को वोट दिया, जबकि

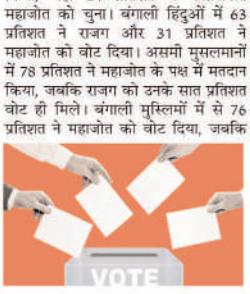

राजग को मात्र छह प्रतिशत ने। 2021 के विधानसभा चुनाव में मतदान का रुझान बदला। राजग 67 प्रतिशत असमी हिंदुओं को पसंद बना, जबकि महाजोत को उनके 17 प्रतिशत वोट ही मिले। बंगाली हिंदुओं में भी राजग का मत प्रतिशत बढ़ कर 74 हो गया, जबकि महाजोत 23 प्रतिशत पर अटक गया, पर इसके बावजूद राजग 11 सीटें कम जीत पाया।

महाजोत को 10 सीटों का फायदा हुआ। असम का सत्ता संग्राम इस बार भी इन दोनों गठबंधनों के बीच माना जा रहा है, लेकिन इस बार मौलाना बदरुद्दीन अजमल की पार्टी एआइयूडीएफ महाजोत का हिस्सा नहीं है। पिछली बार महाजोत में 20 सीटों पर लड़कर 16 सीटें जीतने वाली एआइयूडीएफ इस बार अकेले लड़ रही है और उसे असदुद्दीन ओवैसी की एआइएमआइएम का समर्थन हासिल है। अजमल और ओवैसी की जुगलबंदी कांग्रेस के अल्पसंख्यक जनाधार में सेंध लगा सकती है। सीट बंटवारे पर कांग्रेस से तकरार के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा भी असम में पहली बार 16 सीटों पर किस्मत आजमा रहा है।

उसकी उम्मीदें ऊपरी असम में केंद्रित चाय बागान कर्मियों के समुदाय पर टिकी हैं, जिन्हें आदिवासी माना जाता है। अन्य राज्यों से आकर बसे इन आदिवासियों की जनसंख्या, 2011 की जनगणना के मुताबिक 17 प्रतिशत के आसपास है। कई सीटों पर असर डाल सकने वाले ये आदिवासी मूलतः कांग्रेस समर्थक रहे हैं, लेकिन भाजपा भी इनमें सेंध लगाती रही है। एआइयूडीएफ और झामुमो की चुनाव मैदान में मौजूदगी कांग्रेस गठबंधन की मुश्किलें बढ़ाएगी, लेकिन विपक्षी मतों में इस बिखराव के बावजूद असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट सरीखे सहयोगियों के साथ मिल कर चुनाव जिताऊ बिसात बिछाने से भाजपा चूक गई तो पंथनिरपेक्षता के नाम पर वे अंततः कांग्रेस से ही हाथ मिलाएंगे। इसलिए इस सवाल का जवाब आसान नहीं कि राजग सत्ता की हैट्रिक लगाएगा या विपक्ष वापसी करेगा ?केरलम की राजनीति वाम मोर्चा एलडीएफ और कांग्रेसनीत यूडीएफ के बीच बंटी रही है। केरलम ने हर चुनाव में सरकार बदल देने की अपनी परंपरा पिछली बार तोड़ दी। बंगाल और त्रिपुरा की सत्ता से बेदखल हो चुके वाम दलों के लिए 2021 का केरलम चुनाव परिणाम किसी संजीवनी से कम नहीं था। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में पासा पलट गया। 20 लोकसभा सीटों में से 18 यूडीएफ जीत गया। एलडीएफ के हिस्से एक ही सीट आई। भाजपा भी एक सीट जीतने में सफल रही। भाजपा तिरुअनंतपुरम में अपना मेयर बनाने में भी सफल रही, जहां से शशि थरूर सांसद हैं।केरलम में राजग सत्ता का दावेदार भले ही न हो, पर अब वह राज्य की चुनावी राजनीति का तीसरा खिलाड़ी बन चुका है।

राज कुमार सिंह।

प्रभावित करती महायुद्ध की काली छाया

महात्मा गांधी ने अहिंसा को मानवता का सबसे बड़ा अस्त्र बताया था,उनका प्रसिद्ध कथन है किआँख के बदले आँख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी। उन्होंने यह भी कहा कि अहिंसा मानवता का परम धर्म है, और यह स्पष्ट किया कि स्थायी शांति केवल सत्य और अहिंसा के मार्ग से ही संभव है, न कि युद्ध से। ज्ञान, संवेदना और मानवता से परे जब महायुद्ध की आहट सुनाई देती है, तब केवल सीमाओं का विस्तार या सत्ता का संघर्ष नहीं होता, बल्कि पूरी मानव सभ्यता अपनी आत्मा के संकट से गुजरती है। यह वही समय होता है जब विज्ञान, जो मानव कल्याण का साधन होना चाहिए था, विनाश का औजार बन जाता है और ज्ञान, जो प्रकाश फैलाने के लिए था, अंधकार को और गहरा कर देता है। आज का महायुद्ध केवल बंदूकों और बमों तक सीमित नहीं रहा, यह तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर हमलों और परमाणु शक्ति के रूप में इतना भयावह हो चुका है कि इसका परिणाम केवल हार-जीत नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। गौतम बुद्ध ने करुणा और शांति को जीवन का मूल आधार माना था, उनका संदेश था घृणा से घृणा कभी समाप्त नहीं होती, प्रेम से ही समाप्त होती है। यह विचार बताता है कि युद्ध की आग को केवल प्रेम और समझदारी से ही बुझाया जा सकता है। जब एक देश अपनी शक्ति का प्रदर्शन करता है, तो वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा नहीं करता, बल्कि अनजाने में दूसरे देशों के लिए भय, असुरक्षा और विनाश का कारण भी बन जाता है। यही शक्ति संतुलन की असमानता महायुद्ध की नींव रखती है, जहाँ एक का सामर्थ्य दूसरे के लिए संकट बन जाता है और यह संकट धीरे-धीरे पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लेता है। आज मानवता चीख रही है, रो रही है, क्योंकि जिन हाथों ने मशीनें बनाई थीं, उन्हीं हाथों ने विनाश के हथियार भी गढ़ लिए हैं। वैज्ञानिक प्रगति का यह विडंबनापूर्ण रूप हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम सच में विकसित हुए हैं या केवल विनाश के नए-नए तरीके खोज लिए हैं। युद्ध के मैदान में गिरता हर सैनिक केवल एक शरीर नहीं होता, वह किसी का बेटा, किसी का पिता, किसी का सपना होता है, और जब वह गिरता है, तो उसके साथ कई जीवन बिखर जाते हैं। बच्चों की मासूमियत, माताओं की ममता और बुजुर्गों की आशाएँ इस महायुद्ध की भेंट चढ़ जाती हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या युद्ध का अंत शांति में नहीं हो सकता, क्या संवाद और वार्ता के माध्यम से समाधान नहीं निकाला जा सकता। इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि जहाँ युद्ध ने केवल विनाश दिया, वहीं शांति वार्ताओं ने नए युग की शुरुआत की है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने भी यही कहा कि अंधकार अंधकार को नहीं मिटा सकता, केवल प्रकाश ही ऐसा कर सकता है,और यह प्रकाश केवल शांति और संवाद के माध्यम से ही संभव है। जब राष्ट्र अपने अहंकार और शक्ति प्रदर्शन को त्यागकर एक-दूसरे के साथ बैठते हैं, तो समस्याओं का समाधान निकलता है, क्योंकि संवाद वह सेतु है जो दुश्मनी को भी दोस्ती में बदल सकता है। आज की दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि युद्ध कोई समाधान नहीं, बल्कि समस्याओं को और जटिल बनाने का माध्यम है। विज्ञान का उपयोग यदि मानव कल्याण के लिए किया जाए, तो यह जीवन को सरल और सुंदर बना सकता है, लेकिन यदि इसका दुरुपयोग किया गया, तो यह पूरी सृष्टि को विनाश के कगार पर पहुँचा सकता है। अल्बर्ट आइंस्टीन जैसे महान वैज्ञानिक, जिन्होंने परमाणु युग की शुरुआत देखी, उन्होंने चेतावनी दी

संजीव ठाकुर
स्वतंत्र लेखक

नमक के इन उपायों से दूर होगी घर की निगेटिव एनर्जी

हर व्यक्ति को अपने सपनों का घर बनाकर उसको प्यार और लगन से सजाना अच्छा लगता है। घर की हर छोटी-बड़ी चीज को सुनिश्चित किया जाता है कि हर कोना उनकी पसंद के मुताबिक हो। इसके बाद भी घर में आर्थिक तंगी, अकारण तनाव, स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां और आपसी मनमुटाव का माहौल बन जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसका क्या कारण हो सकता है। इसका एक मुख्य कारण वास्तु दोष भी हो सकता है।

अक्सर लोग घर को अपनी पसंद के मुताबिक बनवाते और सजाते हैं। लेकिन अक्सर लोग वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन नहीं करते हैं, जिससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है। चाहे आप कितनी भी पूजा-पाठ करें, लेकिन घर में वास्तु दोष मौजूद होने पर समस्याएं खत्म नहीं होती हैं। कभी घर में बीमारी डेरा डाल डेती है, तो कभी आर्थिक परेशानियां खत्म होने का नाम नहीं लेती हैं।

यदि मेहनत करने के बाद भी आपको आर्थिक स्थिरता नहीं मिल रही है। या फिर दांपत्य जीवन में बार-बार विवाद हो रहा है। ऐसे में आप नमक के कुछ साधारण उपाय कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो वास्तु दोष को खत्म कर सकते हैं।

निगेटिव ऊर्जा को दूर करने के लिए करें ये उपाय

घर की सफाई करने के दौरान पोंछे के पानी में 3-4 चुटकी नमक मिला कर पोंछा लगाएं। यह घर की निगेटिव एनर्जी को कम करता है और पॉजिटिव एनर्जी का संचार करता है।

स्नान के पानी में नमक और हल्दी डालें

नहाने के पानी में थोड़ा सा नमक और हल्दी मिलाकर नहाना चाहिए। इससे शरीर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और घर की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। वहीं इस उपाय को करने से अगर किसी ने टोना-टोटका किया हो, तो भी इसका असर खत्म हो जाता है।

लक्ष्मी वास के लिए नमक का उपाय

घर में 5 अलग-अलग जार में नमक भरकर रखें। फिर हर जार में 5 लौंग डालें। इस उपाय को करने से घर में धन और समृद्धि के प्रवाह को बनाए रखता है।

वैवाहिक जीवन में सुख-शांति के लिए करें ये उपाय

कांच के गिलास में पानी लें और उसमें थोड़ा सा सेंधा नमक घोलें। अब इसको बेडरूम में रख दें। हर तीन दिन में पानी बदलें और गुरुवार या शनिवार से यह उपाय शुरू करें। इस उपाय को करने से पति-पत्नी के बीच विवाद और तनाव को कम करता है।

नमक का यह सरल उपाय घर में न सिर्फ वास्तु दोष को दूर करता है। बल्कि यह नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त कर सकारात्मक माहौल बनाते हैं। इन उपायों को नियमित रूप से करने से घर में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है।

घर की इस दिशा को कहा जाता है कुबेर देव का स्थान

घर की उत्तर दिशा को धन के देवता कुबेर देव की दिशा मानी जाती है। इस दिशा को पॉजिटिव एनर्जी का भंडार माना जाता है। साथ ही इस दिशा को पूजा-पाठ के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है।

वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर की हर दिशा का अपना एक महत्व होता है। हर दिशा के अपने कुछ नियम और विशेषताएं होती हैं। जैसे घर की उत्तर दिशा को धन के देवता कुबेर देव की दिशा मानी जाती है। इस दिशा को पॉजिटिव एनर्जी का भंडार माना जाता है। साथ ही इस दिशा को पूजा-पाठ के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। अगर आप नया घर बनवाने जा रहे हैं, या फिर दूसरे किराए के घर में शिफ्ट होने जा रहे हैं, तो पूजा स्थान के लिए उत्तर दिशा सबसे उपयुक्त मानी जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि घर की उत्तर दिशा में किन चीजों को रखने से वास्तु दोष बनता है। इसलिए इन वस्तुओं को गलती से भी उत्तर दिशा में नहीं रखना चाहिए।

जूते चप्पल

घर की उत्तर दिशा में भूलकर भी जूते-चप्पल नहीं रखने चाहिए। जब भी आप बाहर से घूमकर आएं, तो उत्तर दिशा में जूते-चप्पल न उतारें। क्योंकि उत्तर दिशा कुबेर देवता का स्थान माना जाता है। ऐसे में इस दिशा में जूते-चप्पल रखना कुबेर देव के अपमान करने जैसा है। इसलिए भूलकर भी इस दिशा में जूते-चप्पल न उतारें।

बाथरुम

उत्तर दिशा को लेकर सबसे बड़ा जो दोष होता है, वह इस दिशा में टॉयलेट या फिर बाथरुम का होना है। इस दिशा में बाथरुम होने से घर में मां लक्ष्मी का वास नहीं होता है और घर में दरिद्रता का वास होता है। अगर आपके घर में भी इस दिशा में वॉशरूम है, तो आप एक उपाय कर सकते हैं। कांच की कटोरी में डेले वाला नमक भरकर बाथरुम के किसी कोने में रखें। इस नमक को हर सप्ताह बदलते रहें। इस उपाय को करने से आपको काफी हद तक वास्तुदोष से राहत मिलेगी।

भारी फर्नीचर

वास्तु दिशा में उत्तर दिशा को सकारात्मक ऊर्जा का भंडार माना जाता है। इसलिए भूल से भी इस दिशा में भारी-भरकम फर्नीचर न रखें। क्योंकि इस दिशा में भारी-भरकम फर्नीचर रखने से पॉजिटिव एनर्जी के संचार में कमी पैदा होती है। इस दिशा को जहां तक हो सके, खाली और खुला हुआ रखें। इस दिशा की साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। साथ ही इस दिशा में गंदा पानी और कचरा न जमा होने दें।

ज्ञान मंथन

1) हाल ही में, च्वर्ल्ड ग्रीन इकॉनमी फोरमज्ज् का शुभारंभ कहाँ किया गया?
2) मूडबिद्री में आयोजित 14वीं द्विवार्षिक झील सम्मेलन का विषय क्या है?
3) कौन सा राज्य 392 अंकों के साथ राष्ट्रीय पैरा-स्विमिंग चैंपियनशिप 2024 जीता?
4) कैसावा का दुनिया में सबसे बड़ा उत्पादक देश कौन सा है?
5) कश्मीर के हस्त-गुथित कालीन का स्थानीय नाम क्या है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) दुबई (2) मानव कल्याण के लिए आर्द्रभूमि (3) कर्नाटक (4) नाइजीरिया (5) काल बाफ़ी

क्षितिज-अपार संभावनाएं योजना से दिव्यांग विद्यार्थियों को मिल रहा नया हौसला

शिक्षा में आगे बढ़ने का दे रही अवसर, बढ़ रहा दिव्यांग विद्यार्थियों का आत्मविश्वास

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नई दृष्टिबिंदु)। मेहनत, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ यदि कोई आगे बढ़े तो कोई भी बाधा उसकी सफलता की राह में रुकावट नहीं बन सकती। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित च्क्षितिज अपार संभावनाएंज्ज् योजना ऐसे ही विद्यार्थियों के जीवन में नई उम्मीद जगा रही है। यह योजना दिव्यांग छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन राशि प्रदान कर उनकी पढ़ाई को आगे बढ़ाने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत कर रही है। जिले में इस योजना के माध्यम से वर्ष 2023 से 2026 तक कुल 35 दिव्यांग विद्यार्थियों को 4 लाख 76 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा चुकी है। इसमें सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 6 दिव्यांगजनों को 2 लाख 90 हजार रुपये तथा शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत 29 दिव्यांग विद्यार्थियों को 1 लाख 86 हजार रुपये की सहायता राशि दी गई है। इस योजना के माध्यम से दिव्यांग विद्यार्थियों को न

केवल आर्थिक सहयोग मिल रहा है, बल्कि उन्हें अपने सपनों को साकार करने का नया हौसला भी मिल रहा है। शासन की यह पहल दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। कवर्धा के ऐसे ही एक होनहार छात्र रवियांशु साहू ने अपनी दिव्यांगता को कमजोरी नहीं, बल्कि हौसले की ताकत बनाकर यह साबित कर दिया है कि कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। कवर्धा के दुर्गावती चौक स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में अध्ययनरत रवियांशु साहू ने कक्षा 10वीं की परीक्षा में कुल 600 अंकों में से 378 अंक (63 प्रतिशत) प्राप्त किए। रवियांशु 40 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांग हैं, इसके बावजूद उन्होंने निरंतर परिश्रम और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ पढ़ाई करते हुए यह सफलता हासिल की। शिक्षा सत्र 2024-25 में कक्षा 10वीं में दिव्यांगजनों की श्रेणी में जिला कबीरधाम में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र रवियांशु साहू को समाज कल्याण विभाग द्वारा 2 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। यह राशि उन्हें उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के लिए प्रोत्साहन स्वरूप दी गई।

क्षत्रिय करणी सेना अरविन्द सिंह राजपूत जिला मीडिया प्रभारी मनोनीत

कबीरधाम (नई दृष्टिबिंदु)। क्षत्रिय करणी सेना के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत द्वारा संगठनात्मक मजबूती के लिए विभिन्न राज्यों के जिले में पदाधिकारियों की नियुक्ति व सामाजिक कार्य, समाज सेवा और संगठन के विस्तार के लिए सक्रिय रूप से सहमति जताया। प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक सिंह के अनुसंसा पर प्रदेश संरक्षक रोहन सिंह ठाकुर, एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष विपिन सिंह तथा प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह राजपूत के कुशल मार्गदर्शन में अरविन्द सिंह राजपूत को जिला मीडिया प्रभारी मुंगेली जिले के रूप में मनोनीत किया गया। क्षत्रिय करणी सेना जिला

मीडिया प्रभारी मुंगेली (छ.ग.) के रूप में मिले इस सम्मान को अरविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि मैं केवल पद नहीं बल्कि सेवा संघर्ष और उत्तरदायित्व के रूप में स्वीकार करता हूँ। मैं संकल्प लेता हूँ कि इस दायित्व का निर्वहन पूर्ण निष्ठा ईमानदारी और समर्पण भाव के साथ करूँगा तथा संगठन की मजबूती और समाजहित के लिए निरंतर कार्यरत रहूँगा। उन्होंने सभी वरिष्ठों, साथियों और शुभचिंतकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए क्षत्रिय समाज द्वारा सौंपे गए इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हृदय से आभार जताया।

कबीरधाम जिले में मनाया गया चावल उत्सव 516 राशन दुकानों में हुआ खाद्यान्न वितरण

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नई दृष्टिबिंदु)। कबीरधाम जिले में 07 अप्रैल को चावल उत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिले के सभी 516 राशन दुकानों में किया गया। चावल उत्सव के दौरान सतर्कता समिति सदस्यों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में हितग्राहियों को चावल वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि सरकार ने हितग्राहियों को तीन महीने का राशन एकमुश्त देने का निर्णय लिया है। जिसके लिए राशन केंद्रों में भंडारण करवाया जा रहा है। चावल उत्सव के माध्यम से हितग्राहियों को चावल आबंटन किया जा रहा है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने

इसको लेकर खाद्य अधिकारी को सभी केंद्रों में समुचित खाद्यान्न उपलब्धता और सुचारु वितरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया है। जिला खाद्य अधिकारी श्री चंद्रशेखर देवांगन ने बताया कि जिले के सभी 516 उचित मूल्य की राशन दुकानों में चावल उत्सव के मद्देनजर भंडारण और वितरण सतर्कता समिति, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था बनाई गई है। इस दौरान राशन केंद्रों में सतर्कता समितियों की बैठक भी आयोजित की गई।

डोंगरगढ़ शहर मंडल पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का शानदार हुआ समापन

डोंगरगढ़ (नई दृष्टिबिंदु)। डोंगरगढ़ शहर मंडल के नेतृत्व में 2 दिवसीय 6 से 7 अप्रैल तक चलने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का शानदार समापन हुआ जिसमे प्रमुख रूप

राजनांदगांव के महापौर मधुसूदन यादव , पूर्व विधायक विनोद खांडेकर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दिनेश गांधी, प्रभारी रविन्द्र वैष्णव, सुरेंदर सिंग बंनोआना, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, सुनील जैन, प्रकाश चौरड़िया, प्रदीप बाफ, महेंद्र भाई पटेल, कुलवंत ककड़ ,अमित जैन ,वीरेंद्र सोनी, संतोष चोपड़ा, तुलसी मिश्रा, तरुण हथेल, विजेंद्र सिंह ठाकुर, मंडल अध्यक्ष जसमीत सिंह बंनोआना, नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे, उपाध्यक्ष उमा महेश वर्मा के द्वारा भारत माता, प दीनदयाल उपाधाय, प श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया । प्रशिक्षण महाभियान के दूसरे दिन चार सत्र दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुआ जिसमे प्रमुख वक्ता के रूप में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दिनेश गांधी , प्रभारी रविंद्र वैष्णव ,पूर्व विधायक विनोद खांडेकर महापौर मधुसूदन यादव ने पार्टी द्वारा दिए गए विषयों पर अपने विचार रखे इस अवसर पर मंडल महामंत्री विनय बंसल ,कोषाध्यक्ष भागवत नामदेव ,सुषमा कोठारी, संगीता टेंबुरकर, अलका जयेश सहारे ,सरफराज नवाज ,अर्चला सिंह ठाकुर, रेखा राजेश राघौते, हरीश मोटघरे ,देवेंद्र साखरे ,डी यकेस राव ,पार्षद शिवांगी साखरे, कवीता मलागार ,लक्ष्मी यादव ,अनीता इंदुलकर, वत्सल्या श्रीवास्तव, , नमृता चौबे, कैलाश सोनवानी, श्याम तिवारी ,नागेंद्र परिहार ,लोकेश इंदुलकर, मुकुंद कड़रा, आकाश सिंह राजपूत ,डिंपी महापात्रे ,गिरीश साहू, चितरंजन साहू, ललित शर्मा, महेश सहारे ,आवेश निगम ,शुभम परिहार, अल्कृत शर्मा, अक्षय यादव ,रामकुमार डरसेना ,अजय शर्मा , मयंक डोंगरे, उपेंद्र इंदुरकर, जयंत साहू, सहित भाजपा शहर मंडल के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। मंच का संचालन महामंत्री विनय बंसल द्वारा किया गया ।

क्रिकेट ट्रॉयल 12 अप्रैल को

राजनांदगांव (नई दृष्टिबिंदु)। जिला क्रिकेट एसोसिएसन राजनांदगांव द्वारा जिले की 16 वर्ष आयुवर्ग की टीम की गठन हेतु आगामी 12 अप्रैल 2026 दिन- रविवार को दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में चयन प्रक्रिया का आयोजन किया गया है। चयन प्रक्रिया सुबह 08:30 बजे से प्रारंभ होगी। जिन खिलाड़ियों का जन्म 01 सितम्बर 2010 व 31 अगस्त 2012 के बीच हुआ होगा वे ही इस चयन प्रक्रिया में भाग ले सकते है। उक्त चयन प्रक्रिया में वे ही खिलाड़ी भाग ले सकते है जिनका पूर्व में रजिस्ट्रेशन हो चुका है तथा वे खिलाड़ी जिनका रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है वे शाम 04 व 06 बजे के बीच दिग्विजय स्टेडियम में आवश्यक दस्तावेजों (पिछले 05 वर्षों की अंकसूची, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र सभी की मूल प्रति एवं पासपोर्ट साईज फोटो) के साथ उपस्थित होकर अपना पंजीयन करा सकते है खिलाडियों का चयन एसोसिएशन द्वारा नियुक्त चयनकर्ताओं के द्वारा किया जावेगा।

पीएम-आशा योजना अंतर्गत किसानों के पंजीयन की तिथि 20 अप्रैल 2026 तक बढ़ाई गई

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नई दृष्टिबिंदु)। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा योजना) के अंतर्गत प्राइस सपोर्ट स्कीम में जिले के किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 20 अप्रैल 2026 कर दी गई है। योजना के तहत खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली एवं सोयाबीन

तथा रबी विपणन वर्ष 2026-27 हेतु चना, मसूर एवं सरसों की फसल बोने वाले कृषकों का पंजीयन एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। इच्छुक किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अथवा संबंधित सेवा सहकारी समिति में आवेदन पत्र के साथ ऋण पुस्तिका, बी-1, पी-2, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति जमा कर निर्धारित तिथि तक पंजीयन करा सकते हैं। रबी फसलों के सत्यापन में आ रही कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा निर्देशित किया गया है कि फसल एवं रकबा सत्यापन हेतु पटवारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त प्रमाण पत्र को मान्य किया जाएगा। इसके आधार पर समितियों द्वारा उपार्जन की कार्रवाई की जाएगी। योजना अंतर्गत पंजीकृत किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीदी की जाएगी, जिसमें अरहर 8000 रुपए, मूंग 8768 रुपए, उड़द 7800 रुपए, मूंगफली 7263 रुपए, सोयाबीन 5328 रुपए, चना 5875 रुपए, मसूर 7000 रुपए एवं सरसों 6500 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित हैं। फसल उपार्जन का कार्य जिले में चिन्हांकित उपार्जन केंद्रों के माध्यम से किया जाएगा, जहां केंद्रीय एजेंसी नेफेड द्वारा खरीदी की जाएगी। उपार्जन कार्य सप्ताह में सोमवार से शुक्रवार तक संचालित होगा साथ ही, खरीफ फसलों की खरीदी निर्धारित सीमा के अनुसार की जाएगी, जिसमें अरहर, मूंग एवं उड़द 3 क्विंटल प्रति एकड़, मूंगफली 7 क्विंटल प्रति एकड़ तथा सोयाबीन 5 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से उपार्जन किया जाएगा। जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे समय-सीमा के भीतर पंजीयन कराकर शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अपनी उपज का विक्रय कर योजना का लाभ उठाएं।

भानु सोनी के नए संगठन पर स्वर्णकार संघ का विरोध, पदाधिकारियों को किया निष्कासित

राजनांदगांव (नई दृष्टिबिंदु)। जिला स्वर्णकार संघ की एक आवश्यक बैठक 6

अप्रैल 2026 को आयोजित हुआ, जिसमें भानु सोनी द्वारा समानांतर राजनांदगांव जिला सोनार समाज का संगठन बनाये जाने की कड़ी निंदा की गयी। उनका यह कृत्य समाज की एकता खंडित करने वाला है। जिले के सोनार समाज के हितों पर कुठाराघात है। उनके द्वारा सोनार समाज का गठन सिर्फव्यक्तिगत स्वार्थ सिद्धी व अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए किया जा रहा है। इससे जिले के सभी सोनार बंधुओं को सतर्क रहने की आवश्यकता है। अंत में जिले के सभी सोनार बंधुओं से अपील की है कि भानु सोनी की बात पर न आयें। राजनांदगांव सोनार समाज के नाम पर कोई सदस्यता शुल्क व चंदा न देवें। उनका राजनांदगांव जिला स्वर्णकार संघ से कोई लेना देना नहीं है। राजनांदगांव जिला स्वर्णकार संघ सन 2011 से रजिस्टार फर्म व सोसायटी रायपुर से पंजीकृत संस्था है। संस्था 16 वर्षों से सोनार समाज के हितों के लिए कार्य कर रही है। ज्ञात हो कि स्वर्णकार समाज के लिए सामुदायिक भवन कमला कालेज राजनांदगांव के पास निर्माणाधीन है, जो पूर्णता की ओर है। महेश सोनी, राजू सोनी व प्रणय सोनी राजनांदगांव जिला स्वर्णकार संघ में पदाधिकारी पद पर रहते हुए भानु सोनी द्वारा गठित जिला सोनार समाज के संगठन में पदाधिकारी का पद लिया है, जो संघ के बायोलॉज के नियम 8 (ड) का उल्लंघन है। इसलिए उन्हें संघ के पदों से निष्कासित करने की कार्यवाही का प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया है। बैठक में प्रमुख रूप से शंकर नागवंशी, राकेश कनोजे, राजेश स्वर्णकार, राजू मोहबे, नारायण प्रसाद सोनी, राजेश सोनी, कृष्ण कुमार सोनी, ईश्वर सोनी, बारे लाल सोनी, कमलेश कुमार स्वर्णकार, विवेकरंजन सोनी, अनिल नागवंशी, ऐश्वर्य सोनी, गिरीश सोनी, रोहित सोनी, अरुणेश सोनी, प्रशांत कश्यौंके, प्रकाश अखिलेश एवं दुर्गेश स्वर्णकार उपस्थित थे। उक्त जानकारी कमलेश स्वर्णकार मिडिया प्रभारी ने प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

धर्म समाचार....

सोलर नववर्ष इन 4 राशियों के लिए रहेगा लकी, करियर में मिलेगी जबरदस्त तरक्की

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य देव को ग्रहों का राजा माना जाता है। जब भी सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं, तो उसे 'संक्रांति' कहा जाता है। लेकिन, 14 अप्रैल 2026 को होने वाला सूर्य का गोचर बहुत खास है। इस दिन सूर्य देव मीन राशि को छोड़कर अपनी उच्च राशि मेष में प्रवेश करेंगे, जिसे 'मेष संक्रांति' या 'सोलर नववर्ष' कहा जाता है। वैदिक ज्योतिष के प्रमुख ग्रंथ 'बृहत् पाराशर होराशास्त्र' और 'फलदीपिका' के अनुसार, जब सूर्य अपनी उच्च राशि में होते हैं, तो वे व्यक्ति को साहस, मान-सम्मान और करियर में नई ऊंचाइयों पर ले जाते हैं। इस साल का सोलर नववर्ष विशेष रूप से 4 राशियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होने वाला है। आइए जानते हैं वो भाग्यशाली राशियां कौन सी हैं:

1. मेष राशि - सूर्य का प्रवेश आपकी ही राशि में हो रहा है। ऐसे में आपके आत्मविश्वास में गजब की बढ़ोतरी होगी। अगर आप लंबे समय से प्रमोशन या नई नौकरी का इंतजार कर रहे थे, तो अब वो समय आ गया है। समाज में आपका कद बढ़ेगा और लोग आपकी सलाह मानेंगे।

2. सिंह राशि - सूर्य आपकी राशि के स्वामी हैं। सोलर नववर्ष आपके लिए भाग्य के द्वार खोलने वाला है। जो लोग सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं या राजनीति से जुड़े हैं, उन्हें कोई बड़ा पद मिल सकता है। पिता या उच्च अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा।

3. वृश्चिक राशि - सूर्य का यह गोचर आपके पुराने रुके हुए कामों में जान फूंक देगा। करियर में जो चुनौतियां आ रही थीं, वे धीरे-धीरे खत्म होंगी। बिजनेस करने वालों के लिए यह समय निवेश का है, जिससे भविष्य में बड़ा मुनाफा होगा। आपके साहस और मेहनत की हर जगह तारीफहोगी।

4. धनु राशि - आपके लिए यह समय नई शुरुआत का है। अगर आप विदेश जाकर काम करना चाहते हैं या किसी बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो रास्ते साफहो जाएंगे। आपकी रचनात्मकता (बढ़ेगी और आप अपनी बुद्धि के बल पर कठिन से कठिन कार्य भी आसानी से पूरा कर लेंगे।

रिश्ता होते-होते बार-बार टूट रहा है? कुंडली के ये 4 ग्रह बिगाड़ रहे आपका खेल, यहां देखें तोड़

शादी एक ऐसा खूबसूरत बंधन है, जिसका इंतजार हर इंसान को होता है। लेकिन, कई बार सब कुछ सही होने के बावजूद- जैसे अच्छी नौकरी, संस्कारी स्वभाव और बढ़िया परिवार, शादी की बात फाइनल नहीं हो पाती। कभी रिश्ता जुड़ते-जुड़ते टूट जाता है, तो कभी अच्छे रिश्ते ही नहीं आते। वैदिक ज्योतिष की मान्यताओं में इस देरी के पीछे ग्रहों की चाल को अहम कारण माना गया है। जानते हैं कि कुंडली के कौन से 'दोष' इस रास्ते में दीवार बनकर खड़े हो जाते हैं।

कुंडली का वह सातवां घर- ज्योतिष शास्त्र में कुंडली के 12 घरों में से 'सातवां घर' शादी और जीवनसाथी का होता है। अगर इस घर का स्वामी कमजोर हो या वह किसी गलत जगह (जैसे 6ठे, 8वें या 12वें घर) में जाकर बैठ जाए, तो शादी में अड़चनें आने लगती हैं।

इन ग्रहों का होता है खेल- शनि देव की 'धीमी चाल': शनि को अनुशासन और न्याय का देवता माना जाता है, लेकिन इनकी चाल बहुत धीमी होती है। अगर शनि का प्रभाव सातवें घर पर हो, तो अक्सर शादी 30 साल की उम्र के बाद ही होती है। हालांकि, ज्योतिष के अनुसार शनि की वजह से होने वाली देरी बाद में एक मजबूत और टिकाऊ रिश्ता देती है।

मंगल का दोष: आपने 'मांगलिक' शब्द तो सुना ही होगा। अगर कुंडली में मंगल भारी हो, तो न केवल शादी में देरी होती है, बल्कि शादी के बाद भी आपसी तालमेल बिठाने में दिक्कत आती है।

राहु और केतु का भ्रम: ये दोनों छाया ग्रह हैं। इनका प्रभाव हो तो रिश्ता पक्का होते-होते अचानक किसी गलतफहमी की वजह से टूट जाता है। गुरु और शुक्र की स्थिति: लड़कियों के लिए 'गुरु' (बृहस्पति) और लड़कों के लिए 'शुक्र' ग्रह का मजबूत होना बहुत जरूरी है। अगर ये ग्रह कमजोर हैं, तो शादी के योग बनने में बहुत समय लगता है।

अनीत पड्डा की 'शक्ति शालिनी' में हुई विनीत कुमार की एंट्री

मैडॉक का हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा फ्रेंचाइजी में से एक है। इस फ्रेंचाइजी की अधिकतर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट हैं। पिछले साल इस यूनिवर्स की 'थामा' रिलीज हुई थी, जिसको फैंस ने पसंद किया था। अब फैंस इस यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' का इंतजार कर रहे हैं। अनीत पड्डा की प्रमुख भूमिका वाली इस फिल्म में एक और दिग्गज एक्टर की एंट्री हुई है। इसके बाद इस फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

अनीत पड्डा के प्रमुख भूमिका वाली 'शक्ति शालिनी' अपनी घोषणा के बाद से ही फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की इस आगामी फिल्म में अभिनेता विनीत कुमार सिंह की एंट्री हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, विनीत कुमार सिंह फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आएंगे। वहीं रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि विनीत ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिसका निर्माण पिछले साल शुरू हुआ था।

हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की छठी फिल्म है 'शक्ति शालिनी'

आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित 'शक्ति शालिनी' मैडॉक हॉरर यूनिवर्स की छठी फिल्म है। इससे पहले इस यूनिवर्स की 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या', 'स्त्री 2' और 'थामा' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही हैं। इस प्रोजेक्ट में विशाल जेठवा और अनीत पड्डा 'सलाम वेंकी' के बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा 'थामा' के क्लाइमेक्स के दौरान की गई थी।

सलमान खान के साथ नयनतारा की बनी जोड़ी!

बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान की नई फिल्म लेकर एक नया अपडेट है। खबर है कि साउथ के 'ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर' वामशी पेडिपल्ली की इस फिल्म में नयनतारा को कास्ट किया गया है। साउथ सिनेमा की 'लेडी सुपरस्टार' कही जाने वाली नयनतारा इससे पहले शाहरुख खान की 'जवान' के साथ बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं। चर्चा ये भी है कि सलमान खान और मेकर्स ने इसकी रिलीज के लिए अगले साल ईद 2027 की तारीख पक्की कर ली है।

सलमान खान ने सोशल मीडिया पर अपनी इस नई फिल्म का ऐलान किया था। जबकि अब मंगलदार को ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने खबर दी है कि नयनतारा को सलमान खान के अपोजिट लीड रोल में कास्ट कर लिया गया है। अभी फिल्म की बाकी कास्ट का ऐलान होना भी बाकी है। इससे पहले सलमान खान और प्रोडक्शन हाउस 'श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स' ने सोशल मीडिया पर इस नए प्रोजेक्ट का ऐलान किया। सलमान खान ने जहां वामशी पेडिपल्ली के साथ फोटो शेयर करते हुए अपने खास अंदाज में लिखा, 'दिल, दिमाग, जिगर से अप्रैल से वामशी पेडिपल्ली और दिल राजू के साथ।' वहीं दूसरी ओर, प्रोडक्शन हाउस ने भी इस घोषणा की पुष्टि करते हुए सलमान को 'एक ऐसी हस्ती बताया, जिन्होंने दुनियाभर के दर्शकों को खुशी के अनमिनत पल दिए हैं। अब वे इस प्रोजेक्ट के लिए 'ब्लॉकबस्टर फिल्ममेकर' वामशी पेडिपल्ली के साथ हाथ मिला रहे हैं।

बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर होगी फिल्म

नेशनल अवॉर्ड जीत चुके डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली को साउथ सिनेमा का 'ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर' कहा जाता है। यह पहली बार है, जब वह बॉलीवुड के लिए फिल्म बना रहे हैं। बताया जाता है कि फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे भव्य पैमाने पर बनाया जा रहा है। इसमें हिंदी और दक्षिण भारतीय, दोनों फिल्म इंडस्ट्री के बड़े कलाकारी को शामिल किया जाएगा। मेकर्स ने बयान जारी करते हुए कहा है, 'यह फिल्म सलमान खान को पर्दे पर एक ऐसे अवतार में पेश करेगी, जैसा उनके फैंस ने इससे पहले कभी नहीं देखा होगा। फिल्म की शूटिंग पूरे भारत में अलग-अलग लोकेशन पर होगी और इसकी शुरुआत 14 अप्रैल से मुंबई में बने एक भव्य सेट से होगी।'

सलमान की 'मातृभूमि' होगी पोस्टपोन

इस बीच सलमान खान की गलवान युद्ध पर बनी 'मातृभूमि' पोस्टपोन होने की भी चर्चा है। फिलहाल, इसकी रिलीज डेट 17 अप्रैल 2026 है, लेकिन अब खबर है कि यह स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 14 अगस्त या आसपास रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग अभी बची हुई है। 'इंडियन आइडल' फेम सिंगर-एक्टर प्रशांत तमांग की मौत के कारण इस वॉर-ड्रामा के कई सीन्स को फिर से शूट किया जा रहा है। बीते दिनों सलीम खान के अस्पताल में भर्ती होने की वजह से इसका आखिरी शेड्यूल प्रभावित हुआ है। वैसे भी अब, 17 अप्रैल को अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' रिलीज होगी। इससे भी साफ है कि अक्षय ने यह फैसला अपने दोस्त सलमान से बातचीत के बाद ही लिया होगा।

क्या वामिका गब्बी का टूट गया दिल? एक्ट्रेस ने की क्रिप्टिक पोस्ट

शनिवार को वामिका गब्बी ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। साथ ही एक क्रिप्टिक मैसेज भी साथ में शेयर किया है। अपनी तस्वीरों के साथ वामिका ने कैप्शन में रेड हार्ट और बैंडेज का इमोजी शेयर किया है। इस क्रिप्टिक पोस्ट को जब डिकोड किया जाता है तो पता चलता है कि ऐसे इमोजी हार्टब्रेक के लिए शेयर किए जाते हैं। तो क्या रियल लाइफ में वामिका गब्बी हार्टब्रेक से गुजर रही हैं। इस पोस्ट से तो यही अंदाजा लगाया जा सकता है। वामिका गब्बी की लव लाइफ की बात करें तो यह पूरी तरह से सीक्रेट है। उनका नाम अब तक किसी एक्टर के साथ भी नहीं जोड़ा गया है। वामिका इन दिनों अपने करियर पर पूरी तरह से फोकस कर रही हैं। 10 अप्रैल को वामिका गब्बी की फिल्म भूत बंगला रिलीज होगी। इसमें वह अक्षय कुमार के अपोजिट नजर आएंगी।

सत्य घटना पर आधारित होगा अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच आज अजय ने अपने नए प्रोजेक्ट का एलान सोशल मीडिया पर किया है। अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट सत्य घटना पर आधारित होगा। जिसकी रिलीज डेट से भी अजय ने पर्दा उठा दिया है। अजय ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इस पोस्ट में अजय ने हाथ में एक फ्लीपी डिस्क पकड़ रखी है, जिस पर लिखा है - 'हैप्पी बर्थडे जोशी।' इस प्रोजेक्ट का निर्माण अजय देवगन और दानिश देवगन मिलकर करेंगे। इसका निर्देशन अंशुल कुमार शर्मा करेंगे। हालांकि, यह जानकारी नहीं दी है कि यह एक फिल्म है या सीरीज। अजय ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने अगले प्रोजेक्ट की जानकारी देते हुए लिखा, 'हर किसी की एक सीमा होती है, उसकी तो पूरी दुनिया में फैल गई।' अजय ने यह भी बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट सच्ची घटनाओं से प्रेरित होगा। अजय के इस पोस्ट पर विंदु दारा सिंह ने लाल इमोजी बनाया है।

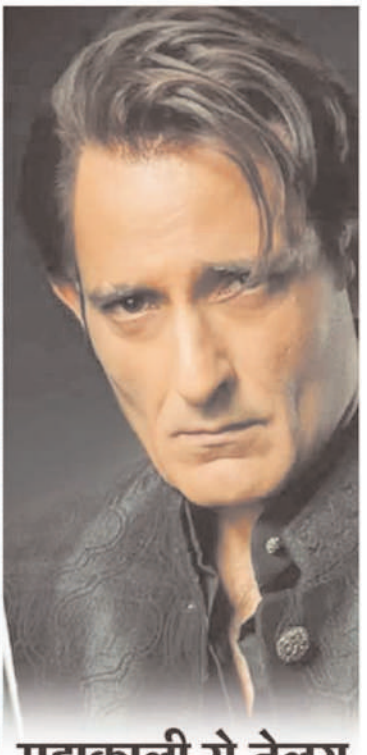

महाकाली से तेलुगु डेब्यू करेंगे अक्षय खन्ना

निभाएंगे शुक्राचार्य का रोल

अक्षय खन्ना इन दिनों काफी चर्चा में हैं। उनकी फिल्म 'धुरंधर' में रहमान डकैत का किरदार लोगों को बहुत पसंद आया है। अब उनकी अगली फिल्म 'महाकाली' को लेकर भी फैंस में काफी उत्साह है।

'धुरंधर' में रहमान डकैत के किरदार से अक्षय खन्ना ने सभी का दिल जीत लिया। 'धुरंधर' के बाद अब वह साउथ फिल्म 'महाकाली' में नजर आएंगे। अक्षय खन्ना के जन्मदिन के मौके पर फिल्म निर्माता प्रशांत वर्मा ने 'महाकाली' फिल्म के सेट से एक खास तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में अक्षय खन्ना शुक्राचार्य के रूप में नजर आ रहे हैं। प्रशांत वर्मा ने अक्षय को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो अक्षय खन्ना सर। आप एक सच्चे अभिनेता हैं। आपने साबित कर दिया कि असली प्रतिभा को शोर-शराबे की जरूरत नहीं होती। आपकी सहज उपस्थिति और दमदार अभिनय हमेशा अलग दिखता है। आपके साथ काम करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। जल्द ही हम दर्शकों को बताएंगे कि हमने साथ मिलकर क्या बनाया है।'

कब रिलीज होगी 'महाकाली'

अक्षय खन्ना फिल्म 'महाकाली' में हिंदू पौराणिक कथा के प्रसिद्ध असुर गुरु शुक्राचार्य का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन पूजा कोल्लुरु कर रही हैं। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें पहले 2024 में 'हनुमान' फिल्म आई थी। आगे 'जय हनुमान' और 'अधिरा' जैसी फिल्में भी आने वाली हैं। यह अक्षय खन्ना की तेलुगु सिनेमा में पहली फिल्म है। फिल्म में मुख्य भूमिका (महिला सुपरहीरो) भूमि शेट्टी निभा रही हैं। 'महाकाली' 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'इक्का' में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

अक्षय खन्ना सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा की फिल्म 'इक्का' में भी नजर आने वाले हैं। इसमें अक्षय मुख्य खलनायक की भूमिका करेंगे। फिल्म में सनी दैओल, दीया मिर्जा, तिलोत्तमा सोम और संजीदा शेख भी हैं। यह फिल्म सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है

शिल्पा शिंदे की बेबाकी हम 'बिग बॉस' में देख चुके हैं। उनके लिए निर्णय लेना सिर्फ अधिकार नहीं, अपनी जगह, पहचान और गरिमा बनाने की प्रक्रिया है। वह मानती हैं कि हर 'न' लड़ाई नहीं होती और हर 'हां' झुकना नहीं। रिश्तों, काम और व्यक्तिगत स्पेस के बीच उन्होंने बार-बार साबित किया है कि असली ताकत टकराव में नहीं बल्कि सही समय पर सही बात कहने की ईमानदार हिम्मत में है। शिल्पा बताती हैं कि समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है।

अपने मुद्दों को सही से भी रखें

शिल्पा शिंदे ने कहा, 'मुझे लगता है कि डिसीजन मेकिंग स्पेस में अपनी खुद की जगह होना बहुत जरूरी है। अब भी बहुत सारे ऐसे घर हैं, जहां लोग बहुत पढ़े-लिखे हैं लेकिन फैसले लेने में महिलाओं को वह स्पेस नहीं दे पाते हैं। तुम चुप रहो, तुम्हें नहीं पता, या यह तुम्हारा काम नहीं है, बहुत सारी महिलाएं ये सब बर्दाश्त करती हैं। मैं यह नहीं कहूंगी कि हर बात पर बगावत करो लेकिन अपने मुद्दे को अच्छे तरीके से भी रख जा सकता है। दरअसल, बहुत सी महिलाएं फिर बिल्कुल गलत तरीके से बगावत पर उतर आती हैं कि मेरा तो इस घर में जमता नहीं है, मेरा तो इस घर में कुछ हो ही नहीं सकता या मेरी तो कोई सुनता नहीं है। आप अपने मुद्दे को बहुत प्यार से भी रख सकते हो, थोड़ा अलग तरीके से भी रख सकते हो तो यह कोशिश करनी बहुत जरूरी है।'

स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव नहीं

रिश्तों और समाज की ज्यादातर उलझनें लोगों की सोच और व्यवहार के कर्ब से पैदा होती हैं। आज कहा जाता है कि महिलाएं बहुत स्ट्रॉन्ग हो गई हैं इसलिए शादियां नहीं चल रहीं, जबकि स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव करना नहीं बल्कि जिम्मेदारियों और फैसलों को समझदारी से निभाना है। समाज चाहे जितना आगे बढ़ जाए, मां बनने के बाद महिला की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं और वहीं पति-पत्नी दोनों को मिलकर चलने की जरूरत होती है। यह साझेदारी जब नहीं बन पाती तो रिश्ते में असंतुलन आ जाता है। अंत में किसी भी रिश्ते का सार यही है संतुलन, समझ और समय पर शांत रहना।

रिश्तों में क्वैलिटी होना बहुत जरूरी

देखिए, मेरी नजर में महिलाओं की जिंदगी काफी बदल चुकी है। उन्होंने हर जगह, खासकर डिसीजन मेकिंग में अपने आप को पूव किया है। हालांकि, समस्या यह है कि हमारा समाज अब भी कुछ पुरानी धारणाओं पर अटका हुआ है। जैसे हम मेल ईगो बोलते हैं, लेकिन फीमेल ईगो शब्द सुनाई नहीं देता। यानी मान लिया गया है कि ईगो हमेशा पुरुष का ही होता है। अब यहां समझदारी की जरूरत है। अगर एक महिला समझ ले कि सामने वाले में मेल ईगो है तो उसे यह भी समझना होगा कि उसे उस स्थिति में कैसे रिएक्ट करना है। रिश्तों में क्वैलिटी बहुत जरूरी है। जब आप किसी से प्यार करते हैं या किसी परिवार का हिस्सा बनते हैं तो पहले से यह जानना जरूरी है कि सामने वाला कैसा है और कौन-सी बात उसे कहां तक स्वीकार है। हम सबके पास बॉडर्स हैं। अगर सामने वाला आपको नहीं समझ रहा तो आप समझिए, बातचीत कीजिए और चीजों को बेहतर करने की कोशिश कीजिए।

सामने वाले को समझिए

शिल्पा ने कहा, मेरी जिंदगी एक ऐसे लेवल पर पहुंच गई थी, जहां मुझे उसी वक्त उसी तरीके से फैसला लेना पड़ा। मैंने शो छोड़ा या कहें कि मैं शो से आउट थी लेकिन उस पल जो निर्णय था, वह बिल्कुल साफ था। मुझे पता है कि मैं सिर्फ इसी एक चीज के लिए पैदा नहीं हुई हूं इसलिए मैंने उस वक्त जो रास्ता नहीं चुना। आज जब मैं वापस हूं और पहले से ज्यादा सम्मान मिल रहा है तो इसका सबसे बड़ा कारण यही है, आप सामने वाले को समझिए कि उसे क्या चाहिए। मैं उस वक्त भी प्रोड्यूसर का पॉइंट समझ रही थी लेकिन बीच में किसी तीसरे ने आग लगाई थी। उन्होंने मेरे साथ चीजें डिस्कस ही नहीं कीं। अब हालात अलग हैं। आज मुझे पता है कि उन्हें कैसे संभालना है। उन्हें भी पता है कि मुझे कैसे ट्रीट करना है।

गलत नहीं हैं तो झुकना नहीं चाहिए

मुझे नहीं लगता कि मैंने कोई गलती की थी। हां, कुछ लोग बहुत डिप्लोमैटिक होते हैं लेकिन मैं जिस चीज को कर सकती हूं, उसे मैं गलती नहीं मानती। परिस्थितियां जैसी बनीं, वहीं रहकर उन्हें समझना जरूरी था। इसका मतलब यह नहीं कि आप झुककर रहें। अगर आप गलत नहीं हैं तो आपको झुकना नहीं चाहिए। गलत चीज को इतना बड़ा भी न बनाइए कि हर समय 'मेरे साथ गलत हुआ' ही लगता रहे। आप जब सच में गलत नहीं हैं, तब डरने की कोई वजह नहीं होती। मैं आज भी यहां इसलिए हूं क्योंकि मैंने कुछ गलत नहीं किया था।

आदिवासी जमीन पर बड़ा फैसला: 114 एकड़ सौदे निरस्त, मूल मालिकों को लौटेगी भूमि

नई दृष्टिबिंदु **संवाददाता/जशपुरनगर।** कलेक्टर रोहित व्यास ने पहाड़ी कोरवा आदिवासियों की अपील पर सुनवाई करते हुए मतांतरितों द्वारा खरीदी गई करीब 114 एकड़ जमीन के वर्ष 1955 से 1966 के मध्य हुए सौदों को नियमों के उल्लंघन के आधार पर निरस्त कर मूल स्वामियों को भूमि वापस लौटाने का आदेश दिया है। राज्य में मुस्लिमों द्वारा भी आदिवासियों की जमीन खरीदने के मामले कलेक्टर कोर्ट में चल रहे हैं। वादियों के अधिवक्ता सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि मनोरा ब्लाक के करदना निवासी भंजू पिता तेमड्डू, मुकुंद पिता पोत्मा सहित अन्य वादियों ने मनोरा के एसडीएम राजस्व के न्यायालय मे दायर किये गए वाद मे बताया था कि वे अपने पुश्तैनी जमीन पर कृषि कार्य करते हैं। एक दिन कुछ लोग उनके पास आये और उन्होंने दावा किया कि सन 1955 मे उनके पूर्वजों से जमीन को खरीद लिया था। मतांतरितो ने जमीन पर कृषि कार्य करने से रोक दिया। वादियों के अनुसार उन्हें प्रशासन की ओर से ना तो रजिस्ट्री की जानकारी दी गई और ना ही नामांतरण की। वाद पर आवेदक और अनावेदकों का पक्ष सुनने के बाद एसडीएम ने वाद को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि 1955 के मामले मे 170 ख लागू नहीं होता क्युकी यह कानून 1962 मे लागू हुआ था। एसडीएम कोर्ट के इस निर्णय के

विरुद्ध वादियों ने कलेक्टर कोर्ट में अपील की थी।

मतांतरितो पर लागू होगा कानून

वादी और अनावेदकों का पक्ष सुनने के बाद कलेक्टर रोहित व्यास ने दिए गए निर्णय में कलेक्टर ने कहा कि भू राजस्व संहिता की धारा 170 ख की उपधारा (1) की व्याख्या करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने भाई जी बनाम एसडीएम थांदला व अन्य के मामले में दिए गए निर्णय मे स्पष्ट किया है कि यह धारा आदिवासियों द्वारा आदिवासी की जमीन क्रय के मामले में भी लागू होगी. कलेक्टर ने निर्णय मे कहा कि इस मामलो मे 170 ख में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया इसलिए 1955 मे पंजीकृत किये गए बैनामा को शून्य घोषित करते हुए मूल भूमि स्वामी या उनके उत्तराधिकारियों को जमीन सौंपने का आदेश पारित किया है। अधिवक्ता सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा दिए गए निर्णय का व्यापक असर देखने को मिल सकता है. उन्होंने बताया कि कलेक्टर का यह निर्णय दो संदर्भ मे खास है। एक तो भू राजस्व संहिता की धारा 170 ख लागू होने से पहले क्रय किये गए मामलो मे इस कानून के लागू होने का रास्ता साफ हो गया है दूसरा अब आदिवासीयों द्वारा कपटपूर्ण तरीके से खरीदी गई जमीनो के मामले भी 170 ख लागू होगा। उन्होंने बताया कि इससे उन मामलो मे भी असर पड़ सकता है जो मतांतरितों के विरुद्ध पहले से न्यायालय मे लंबित हैं।

क्या कहते हैं अधिवक्ता सत्यप्रकाश तिवारी

इस मामले में कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा दिए गए निर्णय का व्यापक असर हो सकता है। मतांतरितों के मामले भी यह निर्णय महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

सत्यप्रकाश तिवारी,
अधिवक्ता, जशपुर

बागबहार में विश्व बंजारा दिवस पर भव्य आयोजन, विधायक गोमती साय हुईं शामिल

नई दृष्टिबिंदु **संवाददाता/बागबहार।** जशपुर जिले के बागबहार में विश्व बंजारा दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय शामिल हुईं। इस अवसर पर बंजारा समाज के बंधुओं द्वारा मंदिर परिसर से परशुराम चौक होते हुए गांधी चौक तक विशाल एवं आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा में पारंपरिक वेशभूषा, ढोल-नगाड़ों एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को

विशेष बना दिया।

कार्यक्रम में दिल्ली से पधारे बंजारा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल चाव्हाण, बंजारा समाज के अध्यक्ष नन्द कुमार बंजारा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष आनंद शर्मा, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष चन्द्रचूर्ण बंजारा, मंडल महामंत्री मोती बंजारा, मंडल अध्यक्ष हेमंत बंजारा, शेखर बंजारा, लालजीत बंजारा, रामसेवक बंजारा, श्याम बंजारा, श्रीमती प्रेम शीला बंजारा, श्रीमती ममता बंजारा सहित रायगढ़ एवं जशपुर जिले के बंजारा समाज के बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समाज प्रमुखों ने बंजारा समाज की समृद्ध परंपरा, संस्कृति और समाज के विकास में योगदान को स्मरण करते हुए एकता और सामाजिक उत्थान का संदेश दिया। कार्यक्रम में समाज के लोगों का उत्साह एवं सहभागिता उल्लेखनीय रही।

रेप केस का डर दिखाकर ऐंठे 80 हजार, बेटा दिल्ली में है आईईएस अफसर

नकली पुलिस बनकर रिटायर्ड इंजीनियर को किया डिजिटल अरेस्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक बार फिर डिजिटल अरेस्ट का मामला सामने आया है. शातिर ठगों ने खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताया और रेप केस का डर दिखाकर रिटायर्ड इंजीनियर को अपना शिकार बनाया. पीड़ित से 80 हजार रुपए की ठगी की गई. उनका बेटा दिल्ली में आईईएस अफसर है. पूरा मामला डीडी नगर थाना इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, पीड़ित विद्युत विभाग के रिटायर्ड इंजीनियर हैं. उनके मोबाइल पर अंजान नंबर से कॉल आया, आगे से शख्स ने खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताया. उसने पीड़ित को रेप केस में फंसे होने का डर दिखाया और मामला निपटाने के लिए डेढ़ लाख रुपए की मांग की गई. शातिर ठग के झांसे में आकर पीड़ित ने बताए गए बैंक खाते में 80 हजार रुपए की राशि ऑनलाइन ट्रांसफर कर दी. कुछ समय बाद ठगी का अहसास होने पर रिटायर्ड इंजीनियर थाने पहुंचकर शिकायत दी. पुलिस ने मामला दर्ज और जांच शुरू कर दी है. मामले में सायबर सेल की भी मदद ली जा रही है.

डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई प्रावधान नहीं

भारत में डिजिटल अरेस्ट बड़ी समस्या बना हुआ है. विज्ञापनों, पुलिस के सोशल मीडिया से लेकर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम में भी इसे लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाई जा रही है. यह स्पष्ट किया जा रहा है कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई कार्रवाई नहीं होती।

मिथ: स्वशासी महाविद्यालय और उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़

किसी भी विकसित या विकासशील राष्ट्र के इंफ्रास्ट्रक्चर की प्राथमिकता सूची में शिक्षा एवं स्वास्थ्य का क्रम प्रथम होता है. भारत के प्रत्येक वर्ष के बजट को ही साक्षी माना जाए तो यह स्पष्ट हो जाता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य देश की प्राथमिकता है. इन दोनों ही क्षेत्र में हाईटेक संगठित कॉर्पोरेट का जगमगाता दखल इन्हें क्रमश: सामान्य जन के लिए दुर्लभ और महंगा बना रहा है.

ऐसे में छत्तीसगढ़ जैसे नए विकासशील राज्य को भारत के शैक्षणिक नक्शे पर महत्वपूर्ण स्थान मिले इस आकांक्षा से उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ ने 'वही अर्जुन वही बाण' उठाया है. 15 अक्टूबर 2025 से आज तक प्राय राज्य सरकार की यह घोषणा है कि 50 स्वशासी महाविद्यालय प्रारंभ होंगे, स्वशासी महाविद्यालय की संकल्पना का शुरू होना और मूर्त होना 1984 के बाद ही शुरू हो चुका था. तब हम मध्य प्रदेश थे. संज्ञान रखते लोग यह जानते हैं कि स्वशासी महाविद्यालय पर एक सुदीर्घ जन संवाद भी विधिवत आयोजित किया गया था. उच्च शिक्षा मेरा अन्न जल है. यहां विधिवत स्वशासी महाविद्यालय के प्रत्यक्ष और संभावित पॉइंट्स का उल्लेख जरूरी है।

1. 60 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्र ही एडमिशन पाएंगे ऐसा हुआ भी.
2. प्रथम श्रेणी के कुल छात्र समुदाय को बड़े बजट के संसाधन बहुल शिक्षा लाइब्रेरी और स्कॉलरशिप देना के इन 40 वर्षों में एक भी स्वशासी महाविद्यालय ने उल्लेखनीय प्रदेय नहीं दिया।
3 स्थानीय प्राकृतिक जैविक औद्योगिक संसाधनों पर शोध आधारित संदर्भों का विकास ताकि छात्रों की आजीविका को सुनिश्चित किया जा सके, किसी ऐसी उपलब्धि का कोई ब्लूप्रिंट स्वशासी महाविद्यालय के पास नहीं है जो विकास 40 वर्षों से कार्यरत है।

इसका कोई लिटरेचर सॉविधान में, बाइलॉज़ कभी भी पब्लिक डोमेन में नहीं रहा. एक एकेडमिक तिलिस्म है यह स्वशासी महाविद्यालय प्राचार्य और अध्यापकों के बीच, बावजूद इसके इसका सबसे नकारात्मक पहलू छात्र विरोधी ही है. सन 84-85 को स्वशासी महाविद्यालय पर खुले परिसंवाद के आयोजन में बस्तर के तत्कालीन पी जी प्राचार्य और मेंबर सेक्रेटरी बस्तर संभाग प्रमोद वर्मा के आमंत्रण पर वरिष्ठ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सम्माननीय कामरेड सुधीर मुखर्जी आए थे।

इसके तमाम खर्चीले अव्यवभारिक और हवा हवाई पहलुओं पर विश्लेषण करते हुए दादा मूलत: इसके एक छात्र विरोधी प्रावधान से आशंकित थे. सुधीर मुखर्जी आंदोलनकारी छात्र समूहों पर जरूरी होने पर स्वशासी महाविद्यालय का प्राचार्य कैंपस में पुलिस हस्तक्षेप की सहायता ले सकता है, इस पर असहमत थे. उनके शब्द थे जिस देश में घूर कर देखने पर एफआईआर हो सकती है वहां इस कानूनन प्रावधान के तहत कब किस छात्र समुदाय को दंडित करने के जन विरोधी निर्णय लिए जाएंगे यह चिंताजनक है। माना गया था कि शिक्षा का स्तर प्रतिबद्धता के साथ उन्नत किया जाए, तृतीय श्रेणी पर पूरक का प्रावधान रखना और 60 प्रतिशत प्राप्त छात्रों को एक क्रांतिकारी महाविद्यालय देना पक्षपात है. अत: स्वशासी महाविद्यालय की हाथी दांत की मीनार से उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ नीचे उतरे. महाविद्यालय शिक्षा पर एक श्वेत पत्र जारी करें. विश्लेषण कर आज के आधुनिक समय की शिक्षा देने की व्यवस्था करें,

डॉ कल्याणी मानसिंह महापात्र वर्मा
वस्तुत: मंगला बिलासपुर छत्तीसगढ़,

रिटायर्ड एएसआई के घर दूसरी बार चोरी

कोरबा। रिटायर्ड एएसआई के घर एक बार फिर से चोरों धावा बोला है। हैरानी की बात यह है कि जिस समय परिवार बेटे की बारात में शामिल होने गया था, उसी दौरान चोरों ने सूने मकान का दरवाजा तोड़कर लाखों के सामान पर हाथ साफ कर दिया। इससे पहले भी इसी घर में बड़ी चोरी हो चुकी है, जिसका अब तक खुलासा नहीं हो सका है। यह मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, सीएसईबी कॉलोनी निवासी रिटायर्ड एएसआई गलेटबिन कुमार के घर में अज्ञात चोरों ने दूसरी बार चोरी की है। चोर घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और कीमती सामान व नगदी लेकर फरार हो गए। घटना उस समय हुई जब परिवार घर पर मौजूद नहीं था और सभी लोग बेटे की बारात में गए हुए थे। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस व अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। वहीं मौके पर डॉग स्क्वायड की टीम को भी बुलाया गया है। इससे पहले भी इसी घर में लगभग 10 लाख रुपये की चोरी हो चुकी है, जिसमें सोने-चांदी के जेवरात और नगदी शामिल थे।

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन का जन स्वास्थ्य सहयोग संस्थाओं का दो दिवसीय दौरा

अंजली, सारा और सानिया ने गांव में शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा, ग्रामीणों ने आत्मीयता से किया स्वागत

लोरमी। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का परिवार आज छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले स्थित अचानकमार टाइगर रिजर्व (एटीआर) के सुदूर वनांचल ग्राम बम्हनी पहुँचा। इस दौरान सचिन तेंदुलकर की पत्नी डॉ. अंजली तेंदुलकर, बेटी सारा तेंदुलकर और बहू सानिया चंडोक तेंदुलकर ने ग्रामीणों से मुलाकात की और क्षेत्र में संचालित शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

मुंगेली जिले के घने जंगलों में बसे इस आदिवासी ग्राम में तेंदुलकर परिवार के पहुँचते ही उत्सुकता और खुशी का माहौल बन गया। स्थानीय महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पुष्प गुच्छ भेंट कर अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। इस एक दिवसीय दौरे का मुख्य उद्देश्य जनस्वास्थ्य और बच्चों की शिक्षा की जमीनी स्थिति को समझना रहा। क्षेत्र में गनियारी जनस्वास्थ्य समिति द्वारा नि:शुल्क शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ संचालित की जा रही हैं। तेंदुलकर परिवार इसी समिति के कार्यों का अवलोकन करने और जमीनी हकीकत जानने के लिए चिकित्सकों की टीम के साथ यहाँ पहुँचा था। दौरे के दौरान डॉ. अंजली तेंदुलकर और सारा तेंदुलकर ने फुलवारी केंद्र का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने बालवाड़ी पहुँचकर आदिवासी बच्चों से मुलाकात की और उनके रहन-सहन, खान-पान एवं वन क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को लेकर स्थानीय समिति के सदस्यों से विस्तार से चर्चा की।

आदिवासी बच्चों से भी की मुलाकात

अंजली तेंदुलकर और सारा तेंदुलकर ने बिलासपुर में गनियारी जन स्वास्थ्य केंद्र का भी दौरा किया। साथ ही उन्होंने फुलवारी केंद्र और बालवाड़ी पहुंचकर आदिवासी बच्चों से मुलाकात की। बच्चों के रहन-सहन, खान-पान और वन क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को लेकर स्थानीय समिति के सदस्यों से विस्तृत चर्चा भी की गई। बताया जा रहा है कि तेंदुलकर परिवार का यह पूरा दौरा गोपनीय रखा गया था। हालांकि, गांव में उनके पहुंचने के बाद यह खबर तेजी से फैल गई और ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। तेंदुलकर परिवार की इस यात्रा ने न केवल ग्रामीणों में उत्साह बढ़ाया, बल्कि क्षेत्र में चल रही शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है।

फर्जी मान्यता और वित्तीय अनियमितता पर कड़ा एक्शन नर्सिंग काउंसिल की रजिस्ट्रार दुर्गावती कुंजाम सस्पेंड, आदेश जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग से जुड़ा बड़ा मामला सामने आया है. छत्तीसगढ़ निर्सिंग कउंसिल की रजिस्ट्रर दुर्गा उसारे को निलंबित कर दिया है. यह कारंवाई प्राइवेट नर्सिंग कॉलेजों को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मान्यता देने, वित्तीय अनियमिततायाएं, पद का दुरुपयोग समेत अन्य लापरवाही पाए जाने पर की गई है. उन्हें प्रभार से हटाते हुए रायपुर सीएमएचओ कार्यालय में अटैच कर दिया गया है. लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्रालय से निलंबन आदेश जारी हुआ है। विभागीय जांच में प्राइवेट नर्सिंग कॉलेजों को फर्जी दस्तावेजों के जरिए प्रस्तावित करना, वित्तीय अनियमितता करना, शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाना, तथ्यों को छुपाकर भ्रमित जानकारी प्रस्तुत करना, नियम विरुद्ध कार्य करना और स्वहित में पद का दुरुपयोग करना पाया गया. इसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान दुर्गा उसारे को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा. यह प्रावधान छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियमों के तहत लागू होता है. वहीं उन्हें रायपुर सीएमएचओ कार्यालय में अटैच किया गया है.

दुर्ग। शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या अब नागरिकों के लिए गंभीर समस्या बनते जा रही है। विभिन्न वार्डों में लगातार कुत्तों के काटने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेता एवं पूर्व सभापति राजकुमार नारायणी ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के दावे केवल कागजों तक सीमित हैं, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति बिल्कुल अलग नजर आती है। यदि वास्तव में प्रभावी कार्रवाई की गई होती, तो शहर के चौक-चौराहों और गलियों में आवारा कुत्तों के झुंड दिखाई नहीं देते। कांग्रेस नेता राजकुमार नारायणी ने कहा कि जेवरा सिरसा में लाखों रुपये की लागत से बनाए गए डॉग हाउस का भी अब कोई अस्तित्व नहीं बचा है, जिससे समस्या और बढ़ गई है, वहीं सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनाए गए फीडिंग जोन की भी उपेक्षा की जा रही है, जहां भोजन की समुचित व्यवस्था नगर निगम द्वारा नहीं की जा रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों के गले में टैग लगाया जाना चाहिए, ताकि उनकी पहचान सुनिश्चित हो सके। लेकिन निगम द्वारा ऐसी पारदर्शी व्यवस्था नहीं अपनाई जा रही, जिससे भ्रष्टाचार की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस नेता श्री नारायणी ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। उन्होंने नगर निगम से तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की गई, ताकि शहरवासियों को इस समस्या से राहत मिल सके और वे सुरक्षित माहौल में जीवन यापन कर सकें।

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!
- :: ईश्तहार ::-
रा०प्र०क० 202603101000121 अ-6 वर्ष 2024-25
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि
आवेदक यमुना ढीमर पति दुर्गेश ढीमर निवासी राजनांदगांव द्वारा ग्राम कोहका प०ह०नं० 45 स्थित भूमि ख0नं0 6100, 6101 रकबा 0.030,0.060 हे0 भूमि आवेदक के पिता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अत: उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 9.04.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 17.03.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।
अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग
- :: ईश्तहार ::-
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.कं. 202604101000032 /अ-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/आवेदक - रेश्मी देवी अन्य 2 अ./ध.प. स्व. सुरेन्द्र प्रसाद निवासी केम्प 2 भिलाई तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम - खेदामारा. प.ह.नं. 11 रा.नि.मं. जेवरा सिरसा व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 252 रकबा 0.670 हे. है। जो भूमिस्वामी लच्छू प्रसाद आ. गोपाल प्रसाद के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी लच्छु प्रसाद आ. गोपाल प्रसाद की मृत्यु दिनांक 06/12/2000 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अत: उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 27/04/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 03/04/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।
अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!
- :: ईश्तहार ::-
रा०प्र०क० ब-121 वर्ष 2024-25
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शेख निजामुददीन पिता शेख जहरूद्दीन निवासी केम्प 02 भिलाई द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 04.05.1984 को होने के कारण एवं भूलवश जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
आवेदक ज्योति सिंह पिता कुंदन सिंह निवासी सुपेला भिलाई द्वारा अपने दादी भागबाई देशलहरे पति स्व० अघनु देशलहरे का मृत्यु दिनांक 27.06.2022 को होने के कारण एवं भूलवश मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अत: उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13.04.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 30.03.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है। अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग
- :: व्यक्तिगत सूचना ::-
(रा०प्र०क०/202602101000240/अ-6/वर्ष 2025-26)
प्रति,
उमेश (देश) कुमार आ. राजू चौधरी निवासी नदनी नगर मिलाई वार्ड नं. 10, कुम्हारी
पक्षकार कमलेश कुमार आ. राजू चौधरी निवासी नंदिनी नगर मिलाई तह. व जिला दुर्ग
विरूद्ध
अनावेदक-छ.ग. शासन
आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र.कं. 202602101000240/अ-6/वर्ष 2025-26
आवेदक- कमलेश कुमार आ. राजू चौधरी निवासी नंदिनी नगर भिलाई तह. व जिला दुर्ग ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 7277/6 रकबा 0.02 हे./2400 वर्गफीट भूमि का रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर दिनांक 01/05/2010 को विक्रेता कमलेश कुमार, उमेश (उेश) कुमार दोनो आ. राजू चौधरी से क्रय किया गया है, की बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।
अत: उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20/04/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 07/04/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।
अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!
- :: ईश्तहार ::-
रा.प्र.क्र. ब-121 वर्ष 2024-25
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोमिना कौशर पति जावेद गिरी निवासी गुन्डरदेही द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 05.02.1992 को होने के कारण एवं भूलवश जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अत: उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13.04.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 30.03.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।
अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर

लिव-इन पार्टनर ने मंगलसूत्र से गला घोंटकर की थी महिला की हत्या

कोतरारोड पुलिस ने किया सनसनीखेज हत्या खुलासा, मर्ग जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हत्या की पुष्टि
आरोपी को हत्या और साक्ष्य छिपाने के अपराध में पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक रिमांड पर

रायगढ़। कोतरारोड पुलिस द्वारा महिला की संदिग्ध मौत के मामले में गंभीर जांच करते हुए हत्या का खुलासा किया गया है। 01 अप्रैल को जिंदल अस्पताल पतरापाली से धनेश्वरी विश्वकर्मा (32 वर्ष) निवासी पोड़ीभाठा अकलतरा, जिला जांजगीर-चांपा की आकस्मिक मृत्यु की सूचना प्राप्त होने पर थाना कोतरारोड़ में मर्ग कायम कर पंचनामा एवं पोस्टमार्टम की कार्यवाही की गई। जांच दौरान मृतिका का प्राप्त पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चिकित्सक द्वारा मृत्यु का कारण गले पर दबाव से दम घुटना बताते हुए इसे 'होमीसाइडल' घोषित किया गया, जिससे मामला हत्या का उजागर हुआ।

मृतिका धनेश्वरी विश्वकर्मा किरोड़ीमल नगर के 01 अप्रैल को जिंदल अस्पताल पतरापाली में आकस्मिक मौत की सूचना अस्पताली तहरिर के माध्यम से थाना कोतरारोड़ को प्राप्त हुई जिस पर थाना कोतरारोड़ में मर्ग क्र. 17/26 धारा 194 बीएनएसएस पंजीबद्ध कर जांच पंचानामा कार्यवाही कर मृतिका के शव का पोस्ट मार्टम कराया गया, जिसका पीएम रिपोर्ट कल प्राप्त हुआ है, पीएम रिपोर्ट पर मृत्यु को 'होमीसाइडल' लेख करते हुए पीएमकर्ता चिकित्सक द्वारा मृतिका के गले में दवाब होने से दम घुटने के कारण से मृतिका की मृत्यु होना लेख किया गया है। मामला संदेहास्पद होने पर प्रशिक्षु डीएसपी एवं थाना प्रभारी कोतरारोड अजय नागवंशी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर मामले की सूक्ष्मता से जांच की गई। घटना के संबंध में मृतिका के वारिशानों से पूछताछ में सामने आया कि धनेश्वरी विश्वकर्मा (मृतिका) का विवाह मनोज विश्वकर्मा से हुआ था। जिनके तीन बच्चे हैं। लगभग 04 वर्ष पूर्व उसके पति से परेशान होकर मायके में रह रही थी। इसके बाद धनेश्वरी का विकेश से परिचय हुआ। दोनों एक दुसरे को पंसद करने लगे और लगभग 04 वर्ष से दोनों किरोड़ीमलनगर में पति पत्नि की तरह साथ रहने लगे। धनेश्वरी विश्वकर्मा बीच-बीच में बीमार रहती थी जिसका ईलाज विकेश द्वारा कराया जाता था। लगभग एक माह पूर्व से धनेश्वरी ज्यादा बीमार थी। उसके पति के साथ तलाक का प्रकरण चल रहा था। घटना दिनांक को विकेश धनेश्वरी के साथ था। प्राथमिक संदेह मृतिका के लिवइन पार्टनर विकेश बरेठ पर जाने पर डीएसपी अजय नागवंशी ने संदेही विकेश से पूछताछ किया गया, काफी पूछताछ बाद विकेश ने धनेश्वरी के गले के मंगलसूत्र से गला घोटनें हत्या करने की बात स्वीकार की।

दवा नहीं खाने की बात पर होता था विवाद

आरोपी विकेश बरेठ ने बताया कि वह धनेश्वरी का ईलाज आरोपी करा रहा था। धनेश्वरी समय पर दवाई नहीं लेती थी, उसके पति के साथ तलाक नहीं होने के कारण दोनों विवाह नहीं कर पा रहा है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा विवाद होता था दिनांक 01.04.2026 को विकेश की नानी उसके घर आयी थी, धनेश्वरी समय पर खाना नहीं बनाने के कारण उसे विकेश डांटा। उसकी नानी को उसके घर छोड़कर वापस घर आया तो धनेश्वरी दवाई नहीं खाई थी, दोनों के बीच काफी झगड़ा विवाद हुआ। विकेश ने धनेश्वरी को 1-2 थप्पड मारा तो धनेश्वरी तुम्हारे साथ नहीं रहूंगी कहकर घर जाने लगी। तब आरोपी विकेश धनेश्वरी के मंगलसूत्र को पीछे से पकड़कर खींचने लगा। धनेश्वरी गिर कर बेहोश हो गयी उसके शरीर पर कोई हलचल नहीं हुआ, तब धनेश्वरी को जिंदल अस्पताल लेकर गये जहाँ डॉक्टर चेक किया और धनेश्वरी विश्वकर्मा को मृत घोषित कर दिया। आरोपी द्वारा मृत्यु के वास्तविक कारण को छिपाने का प्रयास भी किया गया। मर्ग जांच के आधार पर थाना कोतरारोड़ में अपराध क्रमांक 100/2026 धारा 103(1), 238 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर दिनांक 07.04.2026 को आरोपी विकेश कुमार बरेठ (26 वर्ष) निवासी मंदरमाल, थाना बम्हनीनडीह जिला जांजगीर-चांपा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

आपसी विवाद को हिंसा का रूप देना गंभीर अपराधः एसएसपी

एसएसपी शशिमोहन सिंह ने कहा कि आपसी विवाद को हिंसा का रूप देना गंभीर अपराध है, ऐसे मामलों में रायगढ़ पुलिस सख्त कार्यवाई करती रहेगी। नागरिकों से अपील है कि किसी भी विवाद की स्थिति में कानून का सहारा लें, हिंसा से दूर रहें। एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी एवं डीएसपी सुशांतो बनर्जी के मार्गदर्शन में की गई इस कार्यवाई में प्रशिक्षु डीएसपी अजय नागवंशी, एसएसआई मनमोहन बैरागी, प्रधान आरक्षक श्याम देव साहू, आरक्षक चन्देश पाण्डेय, शंभू चौहान, राजेश खांडे एवं पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

जंगल में एक ही पेड़ से फंदे पर लटका मिला प्रेमी जोड़े का शव, इलाके में फैली सनसनी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां जंगल में एक ही पेड़ से प्रेमी-प्रेमिका की फंदे पर लटकी हुई लाश मिली है। घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। यह मामला छाल थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, बुधवार की सुबह ग्रामीण एड़ूकला गांव के जंगल में महुआ बीनने के लिए गए थे, तभी उन्होंने पेड़ से दो शव लटके हुए देखे। इसके बाद तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मामले की सूचना मिलते ही छाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर दोनों शवों को नीचे उतारा। मृतकों की पहचान रामकुमार अगरिया (25 वर्ष) और परमेश्वरी अगरिया (20 वर्ष) के रूप में हुई है। वहीं पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

एसएसपी शशिमोहन सिंह ने बताया कि पुलिस को प्रेमी-प्रेमिका द्वारा फांसी लगाने की सूचना मिली है। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि घटना के पीछे क्या कारण है।

आज अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी बीआर, टिटलागढ़ सहित अन्य पैसेंजर ट्रेन

यात्रियों को बड़ी राहत, निरस्त की गई दर्जनभर ट्रेनों की सेवा हुई बहाल

रायगढ़। गर्मी के सीजन में रेलवे ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर रेल मंडल के अंतर्गत अकलतरा स्टेशन पर चौथी लाइन कनेक्टिविटी हेतु नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पूर्व में निरस्त एवं आंशिक रूप से निरस्त को गई दर्जन भर यात्री ट्रेनों को बहाल किया गया है, यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह ट्रेनें फिर से अपने निर्धारित समय अनुसार चलाई जाएंगी।

गाड़ी संख्या 68737 (रायगढ़-बिलासपुर) मेमू को 09.04.2026 तक के लिए रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68746 (रायपुर-गेवरारोड) मेमू को 09.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68745 (गेवरारोड-रायपुर) मेमू को 09.04.2026 से 10.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 58204 (रायपुर-कोरबा) पैसेंजर को 09.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी. गाड़ी संख्या 58203 (कोरबा-रायपुर) पैसेंजर को - 09.04.2026 से 10.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी/। गाड़ी संख्या 68734 (बिलासपुर-गेवरारोड) मेमू को 09.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68733 (गेवरारोड-बिलासपुर) मेमू को 09.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68732 (बिलासपुर-कोरबा) मेमू को 09.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। गाड़ी संख्या 68731 (कोरबा-बिलासपुर) मेमू को 09.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।

शॉर्ट टर्मिनेटेड/ओरिजिनेटेड ट्रेनों को किया गया रिस्टोर

गाड़ी संख्या 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू को 09.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार गोंदिया से झारसुगुड़ा तक चलेगी। गाड़ी संख्या 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू को 09.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार झारसुगुड़ा से गोंदिया तक चलेगी।

ऑपरेशन 'मुस्कान' में रायगढ़ पुलिस को मिली दो बड़ी सफलता

जूटमिल पुलिस ने नाबालिग बालिका को जालंधर से किया दस्तयाब
पूंजीपथरा पुलिस ने लापता बालिका को अंबिकापुर से खोज निकाला
दोनों मामलों में आरोपियों पर पोक्सो एक्ट के तहत की गई कार्रवाई

रायगढ़। एसएसपी शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी के मार्गदर्शन में जिले में गुमशुदा व्यक्तियों की सघन पतासाजी के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत रायगढ़ पुलिस को दो महत्वपूर्ण सफलताएं प्राप्त हुई हैं। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में गुम हुई दो नाबालिग बालिकाओं को पुलिस टीमों द्वारा खोजबीन कर सकुशल दस्तयाब किया गया है। दोनों ही मामलों में पीड़िताओं के कथन के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध पोक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

पहले मामले में थाना जूटमिल में दिनांक 22.10.2025 को एक प्रार्थी द्वारा अपनी 17 वर्षीय नाबालिग बालिका के घर से बिना बताए लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी बालिका का पता नहीं चलने पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के अपराध कमांक 377/25 धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की। जांच के दौरान बालिका और संदेही युवक सनत कुमार भट्ट (20 साल) जूटमिल के बीच संपर्क की जानकारी मिलने पर पुलिस ने इस दिशा में जांच आगे बढ़ाई। लगातार प्रयास और मुखबिर तंत्र के माध्यम से दोनों के पंजाब के जालंधर में होने की सूचना मिली, जिस पर तत्काल पुलिस टीम को रवाना किया गया। टीम ने वहां पहुंचकर बालिका को आरोपी के कब्जे से सकुशल बरामद किया। बालिका के कथन, मेडिकल पर आरोपी द्वारा नागालिग बालिका का शारीरिक शोषण करना पाये जाने पर आरोपी के विरुद्ध धारा 87, 65 (1) बी.एन.एस. 4, 6 पॉक्सो एक्ट विस्तारित किया गया। कल आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजकर जेल दाखिल किया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अभिनवकांत सिंह, महिला प्रधान आरक्षक समुंद रनकर, आरक्षक शशिभूषण साहू और रंजित भगत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गुम नाबालिग बालिका अंबिकापुर से बरामद, आरोपी पर वैधानिक कार्रवाई

दूसरे मामले में थाना पूंजीपथरा में दिनांक 25.03.2026 को एक प्रार्थी ने अपनी 15 वर्षीय पुत्री के 17 मार्च की रात घर से बिना बताए लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध कमांक 49/25 धारा 137(2) बीएनएस के तहत दर्ज कर पतासाजी शुरू की। जांच के दौरान दिनांक 06.04.2026 को अंबिकापुर के खरसिया नाका चौक के पास एक युवक के साथ नाबालिग बालिका को बरामद किया गया। पीड़िता का महिला पुलिस अधिकारी द्वारा कथन कराया गया, जिसमें बालिका द्वारा बस से जामगांव फिर अम्बिकापुर ले जाना और शारीरिक संबंध बनाना बताई है। बालिका के कथन, मेडिकल पर आरोपी के विरुद्ध धारा 87, 65 (1) बी.एन.एस. 4, 6 पॉक्सो एक्ट विस्तारित कर वैधानिक कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रामकिंकर यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम में शामिल एएसआई उमाशंकर विशाल और हमराह स्टाफ की सक्रिय भूमिका रही।

क्या कहते हैं एसएसपी शशि मोहन सिंह

ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बच्चों और महिलाओं की सुरक्षित वापसी हमारी प्राथमिकता है, ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई के साथ दोषियों पर सख्त कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

शशिमोहन सिंह, एसएसपी रायगढ़

खरीफ सीजन से पहले उर्वरक विक्रेताओं पर बरती जा रही सख्ती

16 दुकानों का किया गया निरीक्षण, अनियमितता पर 5 को कारण बताओ नोटिस

रायगढ़। आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए जिले में रासायनिक उर्वरकों की उचित दर पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा खाद, बीज एवं कीटनाशक विक्रेताओं का सघन निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में पिछले दो दिनों के दौरान 16 उर्वरक विक्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर 5 उर्वरक विक्रय केंद्रों- गोयल फर्टिलाइजर रायगढ़, मेसर्स किसान इंटरप्राइजेज रायगढ़, अन्नपूर्णा खाद भंडार धरमजयगढ़, विक्की खाद भंडार सूपा, पुसौर एवं नरेश ट्रेडर्स सेमरा, पुसौर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जिले में खाद भंडारण एवं वितरण पर कड़ी निगरानी रखने के लिए जिला स्तरीय दल का गठन किया गया है। इस दल के नोडल अधिकारी सहायक संचालक कृषि श्री हिन्द कुमार भगत को बनाया गया है, जिनके निर्देशन में उर्वरक विक्रय केंद्रों का निरंतर निरीक्षण किया जाएगा। इसके साथ ही किसानों की समस्याओं और शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए कृषि विभाग द्वारा कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। किसान टोल फ्री नंबर 07762-220213 पर कार्यालयीन समय में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। प्राप्त शिकायतों पर विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बड़े रामपुर के सरकारी शराब दुकान के खिलाफ महिलाओं का विरोध

हटाने की मांग को लेकर कलेक्टर को सौंपा आवेदन, दुकान संचालन को बताया नियम विरुद्ध

रायगढ़। शहर के बड़े रामपुर वार्ड क्रमांक 08 में संचालित शासकीय शराब दुकान को लेकर स्थानीय महिलाओं और रहवासियों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। मोहल्ले की महिलाओं और ग्रामीणों ने शराब दुकान को रिहायशी क्षेत्र से हटाकर अन्य स्थान पर स्थापित करने की मांग करते हुए वार्ड पार्षद के साथ जिला प्रशासन को लिखित आवेदन सौंप मामले में त्वरित कार्यवाही की मांग रखी गई है।

वार्ड क्रमांक 8 के रहवासियों द्वारा सौंपे गए आवेदन में बताया गया है कि ग्राम बड़े रामपुर के एक रिहायशी मोहल्ले में नंदलाल नामक व्यक्ति के मकान में वर्तमान में शासकीय शराब दुकान संचालित की जा रही है। दुकान के सामने टीन शेड लगाकर बैठकर शराब पीने की व्यवस्था भी कर दी गई है। इसके कारण क्षेत्र का माहौल लगातार खराब हो रहा है और महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। शराब दुकान मुख्य सड़क से लगभग 30 मीटर की दूरी पर स्थित है, जहां से मोहल्ले के लोगों और आम नागरिकों का लगातार आना-जाना लगा रहता है। दुकान के सामने शराब पीने वाले लोग नशे की हालत में आए दिन गाली-गलौज, विवाद और हंगामा करते हैं। कई बार राह चलते लोगों और मोहल्ले की महिलाओं से भी अभद्र व्यवहार की शिकायतें सामने आई हैं। इससे पूरे मोहल्ले में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं: आयुक्त क्षत्रिय

नगर निगम के पीडब्ल्यूडी विभाग की ली समीक्षा बैठक

रायगढ़। नगर निगम कमिश्नर बृजेश सिंह क्षत्रिय ने बुधवार को पीडब्ल्यूडी विभाग की महत्वपूर्ण बैठक लेकर शहर में चल रहे सभी निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी निर्माण कार्यों में समय सीमा और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता नहीं करने के निर्देश सभी इंजीनियर्स को दिए।

कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने कहा कि जिन ठेकेदारों द्वारा कार्यों में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है, कार्य प्रारंभ करने में लापरवाही बरती जा रही है अथवा कार्यादेश जारी होने के बावजूद काम शुरू नहीं किया गया है, ऐसे ठेकेदारों को तत्काल चिन्हित कर नोटिस जारी करें। उन्होंने नोटिस के बाद भी सुधार नहीं होने या कार्य प्रगति संतोषजनक नहीं रहने पर संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध ब्लैकलिस्टेड करने की कार्रवाई करने के सख्त निर्देश।

बैठक में उपस्थित सभी इंजीनियरों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने वार्डों में निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण करें और प्रत्येक कार्य की टेस्टिंग रिपोर्ट बिल के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करें। इसके साथ ही बिल भुगतान से संबंधित प्रक्रियाओं को पारदर्शी और समयबद्ध रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। कमिश्नर श्री क्षत्रिय ने कहा कि कार्यों के एवज में ठेकेदारों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए, इसके लिए सभी फाइलों का प्रॉपर प्रोटोकॉल के तहत संधारण किया जाए तथा फाइलों का समय पर संचालन किया जाए। उन्होंने भुगतान प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं करने के निर्देश सभी इंजीनियर्स एवं लिपिक को दिए। बैठक में कार्यपालन अभियंता अमरेश लोहिया सहित सभी उपअभियंता उपस्थित रहे।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100